



JAIN RESORT

जैन रिसॉर्ट्स

पता - गराड़ा, मुंडीपार, तहसील - गोरेगांव, जिला गोंदिया 441801 (महाराष्ट्र)

N-H- 753 गोंदिया
से 17 किलोमीटर दूर..

शांत, सुस्म्य नवेगांव नागझिरा फॉरेस्ट के पास स्थित

Relaxation at its Peak



उपलब्ध सेवाएं..

- शादी, रिसेशन, व अन्य छोटी बड़ी पार्टीयां सभी सुविधाओं के साथ..
- लॉन व रिसॉर्ट 2 लाख फीट में..
- सभी 80 रुम, 2 बेक्वेट हॉल एसी
- धराती बाराती 300 एवं मेहमानों की व्यवस्था..
- स्वीमिंग पुल, भव्य गार्डन..
- लिफ्ट सुविधा, 24 ग 7 विद्युत सुविधा..

अन्य सभी सुविधाएं आवश्यकतानुसार..कैटरिंग सजावट, फूल सजावट, स्टेज की व्यवस्था..






संपर्क करें..

नमन जैन
9049223444
ऑफिस
9270175557



पलाई दुबई के सह-
पायलट के पीछे ईरान
का हाथ होने का
संकेत, ट्रंप ने दी कड़ी
कार्रवाई की चेतावनी

यरुशलम, (एपी)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पलाइडुबई विमान को कथित तौर पर गिराने की कोशिश करने वाले सह-पायलट का ईरान से संबंध हो सकता है। व्हाइट हाउस ने बुधस्वित्पावर को संवाददाताओं ने ट्रंप से पूछा कि क्या उन्हें हमले के पीछे रहे सह-पायलट और तेहरान के बीच किसी संबंध के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, "हम इस पर अभी काफ़ी कर रहे हैं।" ट्रंप ने कहा, "मैं जो सुन रहा हूँ, उसके आधार पर कहूँगा कि जवाब हाँ है, लेकिन हम इस पर अभी काम कर रहे हैं।" उन्होंने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। यह पूछे जाने पर कि यदि हमले के पीछे ईरान का हाथ पाया गया तो क्या अमेरिका तेहरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा, ट्रंप ने कहा, "हां, उन पर बहुत कड़ी कार्रवाई की जाएगी, चिंता मत कीजिए।" उन्होंने कहा, "आप उसने ही पछिए। वे जानते हैं कि क्या हुआ। उन पर बहुत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।"

कांग्रेस ने बिहार विधान
परिषद चुनाव के लिए
पांच उम्मीदवार घोषित
किए..

नयी दिल्ली, (भाषा)। कांग्रेस ने बिहार विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के आगामी द्विवार्षिक चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को पांच उम्मीदवारों के नाम घोषित किए। पार्टी अध्यक्ष महिपकाजुर्नुं खरे ने पार्टी उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी दी। कांग्रेस की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. मदन मोहन झा, कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से मनोज कुमार जायसवाल, दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से रजनीकांत पाठक, पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. संजय यादव और पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से असदुल्लाह खान को उम्मीदवार बनाया गया है।

सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के साथ सीट के तालमेल पर समझौता नहीं बन पाने के बाद कांग्रेस ने इन उम्मीदवारों को घोषणा की है। राजन ने पिछले दिनों अपने छह उम्मीदवार घोषित किए थे, जिसके बाद कांग्रेस ने गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने का आरोप लगाया था। बिहार विधान परिषद की स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की आठ सीटों के लिए मतदान 23 अक्टूबर को होगा। मतगणना 27 अक्टूबर को होगी।

बालाघाट जिले में आदिवासी बच्चों की मौत मामले में
जगला पहुंचे **राहुल गांधी** ने बच्चे को **गोद में उठाया**,
आदिवासीयों से बात की, बयान दिये और चल दिये..

रिप्लस ट्रेड के माध्यम से
राहुल गांधी के दौरे को बड़ा
बताने की कि गई कोशिश..
कांग्रेस कार्यकर्ता भी अपने
नेता से मिलने तरसते रहे..
जिला कांग्रेस अध्यक्ष
संजय उईके ने पोल ना
खुले इस डर से स्थानीय
मीडिया को राहुल के दौरे
के कवरेज से रोकने की
कि कोशिश..

जगरेण्णा बालाघाट/गोंदिया
बालाघाट जिले के बैह
विधानसभा क्षेत्र के
आदिवासी ग्राम कोरका,
जंगला, बोंदरी आदि
अनेक ग्रामों में टिकाकरण
में की गई कमियों एवं मल
खसरा एवं कुपोषण की वि
32 से अधिक आदिवासी
मौत हो गई। इस मामले में
जिला पिछले दो माह से सु
है, तथा जैसे ही

आदिवासी अंचल में बच्चों की निरंतर मौत के मामले सामने आए, पुरे देश में आदिवासीयों के स्वास्थ्य की उपेक्षा को लेकर भाजपा की मोहन यादव सरकार में प्रशासनिक कमियों को लेकर विपक्ष को सरकार को घेरने का अवसर मिल गया, जबकि इस स्थिति में प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने तत्काल ही जिला प्रशासन के माध्यम से निरंतर स्वास्थ्य विभाग को काम पर लगाया, तथा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री, आदिवासी मंत्री एवं मुख्यमंत्री तक ने आदिवासी क्षेत्रों का दौरा करके हुए आदिवासीयों के स्वास्थ्य एवं सुविधाओं के लिये व्यापक प्रबंध किये, जबकि चूँकि पुरे देश में आदिवासीयों के साथ सरकार की उपेक्षाएँ चर्चा में रही, जिसके चलते दो माह बाद जबकि स्थितियाँ अब नियंत्रण में आ चुकी है, विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भी आज 01 अक्टूबर को बालाघाट जिले के ग्राम जाला पहुँचे, और उन्होंने जगला में विधायक संजय डड्डे की उपस्थिति में आदिवासी परिवारों से मुलाकात की, उनकी स्थितियों पर चर्चा की, तथा इसके उपरंत मीरोंदा को बयान देकर राहुल गांधी वापस खाना हो गए।

क्या शोबाजी करने और सिर्फ राजनीति करने थे राहुल गांधी..

गौतमबल है कि राहुल गांधी के बालाघाट जिले के दौरे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों में भी भारी उत्साह नजर आ रहा था, और उम्मीद थी का रही थी कि राहुल गांधी आएंगे तो ना सिर्फ आदिवासी अंचलों की सही स्थिति को करीब से जानेंगे बल्कि आदिवासी की मदद भी करेंगे, साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से लेकर आम नागरिकों तक से मुलाकात करेंगे, और जब आए हैं तो अच्छा वक्त आदिवासी क्षेत्रों को देंगे, लेकिन राहुल गांधी आए भी तो बहुत संक्षिप्त जगह तय करके और फिर आदिवासी ग्राम जंगला में पहुँचकर उन्होंने सिर्फ शोबाजी ही की। राहुल गांधी के आगमन से पहले आदिवासी परिवारों को एक जगह पर एकत्रित किया गया था, यहाँ राहुल गांधी ने उन परिवारों से चर्चा की। एक छोटे से आदिवासी बच्चे को गोद में उठायी। फोटो खिंचवाई। आदिवासीयों के प्रति चिंता व्यक्त की। मौडिया को बयान देकर भाजपा की सरकार को कोसा और फिर राहुल गांधी वापस रवाना हो गए। राहुल गांधी के संक्षिप्त दौरे और राजनीति के घिसे पिटे तरीके ने आम जनता को निराश किया, और राहुल गांधी का दौरा भी सिर्फ शोबाजी नजर आया। इस तरह की प्रतिक्रियाएं आम जनता के बीच राहुल गांधी के दौरा का कार्यक्रम के उपरांत देखी और सुनाई दी।

रील्स ट्रेड चलाये जाने की कोशिशें.

गौरलतब है कि जिस तरह फिल्मों में अनेक सीन पूर्व निर्धारित होते हैं और उसकी रिहर्सल की जाती है, उसी तरह से राहुल गांधी की भी रीलस बनाई गईं, उनके साथमय से बड़ा प्रचार करने का प्रयास किया गया। सोशल मीडिया पर लोगों को हाथ हिलाते, मोरटे साक्षिक चलाने वालों को हेमेट्टे पहनने की सलाह देने जैसी अनेक रीलस राहुल गांधी के दौर की बनाई गईं, जिससे यह भी दिखाई दिया कि अपने कैमरामेन साथ लेकर चल रहे ट्रेन्ड के मुताबिक दौरा कार्यक्रम को बड़ा दिखाने का प्रयास किया गया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष बैहर विधायक संजय उईके की राजनीतिक कूटनीति भी आई सामने..

गौरलवात है कि बैहर के विधायक संजय उड्डे पिछले 13 साल से बैहर विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी हैं। इस बार के चुनाव में संजय उड्डे जम्हो कम मतों के अंतर से चुनाव जीता। बैहर क्षेत्र में विधायकी बच्चों की मौत के मामले में जितनी बिछेदार सकार है, उतनी ही जिम्मेदार खुद विधायक संजय उड्डे भी हैं, क्योंकि विधायक संजय उड्डे ने सही मायनों में आदिवासी एवं आम जनता को जरूरतों का कभी ध्यान नहीं रखा। ये अलग बात है कि इसके बाद भी चूँकि बैहर विधानसभा में पूर्व भाजपा विधायक भगत सन्त नेताम को लगातार भाजपा की गुटिय राजनीति के कारण नुकसान उठाना पड़ा और इसका फायदा उठकर संजय उड्डे तीसरी बार भी चुनाव जीतने में कामयाब हो गई है, लेकिन अब आदिवासी बच्चों की मौत से संजय उड्डे के कार्यकाल में विकास से वंचित बैहर विधानसभा की असलियत भी सामने आ ही गई। विधायक संजय उड्डे पर भी लगातार आदिवासी बच्चों की मौत के मामले में कोई ज़िम्मेदार उठा रही है, जिसके कारण रहलु गांधी ने चुनावी दौर में रहलु गांधी के समक्ष मिडिया में ऊंगई इस सच्चाई पर रहलु गांधी का ध्यानकर्षण न करता दे, तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में तथा भाजपा से अंदर से हथ मिलकर अपनी राजनीतिक रोटी सँकने की पैतरेबाजी से मिडिया रहलु गांधी को परींचत ना करे दे, इस डर से विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष के नज़रे में ज़िले की प्रिंट मिडिया को रहलु गांधी के क्वरेज उर देर खूने का प्रयास किया। रहलु गांधी के दौरा कार्यक्रम में क्वरेज के लिये सिर्फ 05 लोगों के नाम सूची में शामिल किये गए, और यह कार्य संजय उड्डे द्वारा किया गया, ताकि रहलु गांधी संजय उड्डे की स्थिति को भांप ना जाए।

रही है, और वे संसद में इस मुद्दे को उठाएंगे। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि निज बच्चों की मौत हुई है, उनके परिवारों को सरकार से पूरा मुआवजा नहीं मिला है। उन्हें कब परिवार सभ्य भी आर्थिक सहायता का इंजॉन कर रहे हैं। राहुल ने आदिवासी परिवारों को भूमि का अधिकार देने के लिए वन अधिकार अधिनियम लागू करने की मांग की, तथा कहा कि "हम उन्हें आदिवासी मानते हैं, वनावासी नहीं। वे इस देश के मूल निवासी हैं।" अगर म.प्र. में कांग्रेस की सरकार बनती है तो आदिवासी समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सहगता सुनिश्चित करेगी।

मौजूद रहे कांग्रेस नेता..

गौरतलब है कि रहलु गांधी का मुहल निश्चित समय पर 11.45 बजे बिरसी विमानतल पर आगमन हुआ। रहलु गांधी ने बिरसी आगमन पर पदेश काग्रस अध्थस जितु पटवारी, विधायक कमल मर्सकोले, पूर्व विधायक सुखवंद पांसे, मुकेश नायक आदि ने मुलाकात की, इसी प्रकार गोंदिया एग बलाघाट जिले के काग्रस नेताओं ने रहलु गांधी से बालाघाट के नेताओं ने पूर्व विधायक बोर्धसंह भगत, जिला पंचायत अध्थस सम्राट सिंह सरसवार, विधायक मधु भगत, अनुभा मुंजारे, विवेक पटेल, अनुप सिंह बैस, विश्वेश्वर भगत, पुण्या बिर्लेन आदि रहलु गांधी के स्वागत के लिये बिरसी एयरपोर्ट पहुंचे। गोंदिया पंधरा जिले के नेताओं में सायंद ३०. प्रशांत थोले, विधायक नाना पटोले, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, नगर परिषद अध्थस सविन शेंडे, जिला काग्रस अध्थस अमर वराडे, जिला काग्रस उपाध्थस अशोक (गणु) गुप्ता, विशाल गोपालदास अग्रवाल, जितेश गण, जितेंद्र कटरे, पणु पटले सहित आनेक काग्रस नेता उपस्थित रहे।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुलव्याप (बवासीर), फिस्तर भंगदर आन्व गुदरोग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र



- कमर व अङ्ग घुटनों का दर्द
- पित्त का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गठीया वात एवं सायटिका

- आधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष
- शस्त्रसुध एवं गुणवत्तायुक्त खनिमीश औषधियों का प्रयोग
- रोगी एवं यात्री अनुरूप पंचकर्म सुविधा







डॉ. अपर्णा खोब्रागडे

B.A.M.S., M.D. (Nashik)

आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक

7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गाँविया 762034-796738

चाकू के वार से घायल पायलट स्मित मच्छार की सेहत पर करीबी नजर रखी जा रही : विदेश मंत्रालय..

नयी दिल्ली, (भाषा)।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ताईदुर्ब' उद्घाटन में चाकू के वार से घायल के बावजूद विमान को गिराने के अपने ने-पायलट के कथित मसूवों पर पानी फेरने ने पायलट स्मित मच्छर के स्वास्थ्य पर वह नबीबी नजर रखे हुए है। सऊदी अरब के तबुक के एक अस्पताल में शुरुआती उचार के मच्छर को बेहतर इलाज के लिए और में से उबार के लिए अब धाबी भेज दिया है। है। बुधवार को दुर्ब से तबु अवीज ज रही

फ्लाईडुबई एयरलाइन्स की उड़ान एफ़जेड 1073 के कॉर्पोरेट में मच्छर को उनके सह-पायलट के चार माकुर गंभीर रूप से घायल कर दिया। विमान में 174 लोग सवार थे। घटना के कारण विमान को उत्तर-पश्चिम सऊदी अरब के क़ास्र में आपात स्थिति में उतराना पड़ा था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'हम फ्लाईडुबई की उड़ान एफ़जेड 1073 के बहादुर पायलट और भारतीय नागरिक कैप्टन सिमि मच्छर के स्वास्थ्यपर लगातार नज़र रखे हुए हैं।' बयान के अनुसार, 'सऊदी अरब के तबूक शहर के

एक अस्पताल में शुरुआती उपचार के बाद, उन्हें अब आगे के इलाज और चोटों से उबरने के लिए अबू धाबी भेजा गया है।" विशेष मंत्रालय ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के राजदूत दीपक मिश्र ने अस्पताल में कैप्टन मच्छार से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मंत्रालय ने कहा कि इससे पहले, उन्होंने उनके परिवार से भी मुलाकात की और कैप्टन के स्वास्थ्य के लिए हर संभव मदद का प्रयास किया। विशेष मंत्रालय ने बयान में कहा, "अबू धाबी में

हमारा दूतावास और बुवाई में हमारा वाणिज्य दूतावास इस मामले में स्थानीय अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। हम एक बार फिर कैप्टन स्मिथ मच्छर की वीरता और साहस को सलाम करते हैं।” इसमें कहा गया है, “उनकी बहादुरी भरे काम के लिए दुनिया भर से उन्हें जो तारीफ़ और समर्थन मिला है, उसकी भी हम तहे दिल से सराहना करते हैं।” इससे पहले, मिस्टर ने कहा था कि कैप्टन मच्छर से मिलकर उन्हें “बहुत तसल्ली” हुई, जो “दीक है चोटों से तेजी से उबर रहे हैं।”

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुवेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदत्त तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ग ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरेवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियां सुधारी जाती है।

HERO **BAJAJ** **HONDA** **TVS** **मनीष वर्मा**
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

जिले एवं प्रदेश के जनप्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर

‘सहयोग सेल’ के माध्यम से कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान एक सराहनीय पहल.. - रामकिशोर कावरे

भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने अक्टूबर माह में सहयोग सेल की जिम्मेदारी की तय..

सोमवार से शुरुवार जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी करेंगे सुनवाई..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रदेश भाजपा संगठन

के आह्वान पर सत्ता,

संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच

बेहतर समन्वय को लेकर गठित

अनुवी पहल ‘सहयोग सेल’ के बारे

में जानकारी देते हुए भाजपा

जिलाध्यक्ष व पूर्व मंत्री रामकिशोर

‘नानो’ कावरे ने कहा कि इस पहल

का मुख्य उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं

और जनप्रतिनिधियों के बीच

संवाद को मजबूत बनाना है। साथ

ही कार्यकर्ताओं की जनसमस्याओं

के निवारण में सेतु की भूमिका

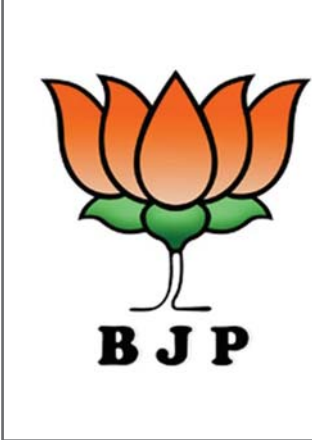
निभाना।

भाजपा सहयोग सेल के जिला प्रभारी हेमेश

क्षीरसागर ने इस संबंध में बताया कि जिला

भाजपा कार्यालय में सांसद, विधायक, पूर्व

विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला



जिला उपाध्यक्ष। 12 अक्टूबर, सोमवार, फूलचंद सहारे जनपद अध्यक्ष, बालाघाट एवं अरुणा गजधिये जिला मंत्री। 13 अक्टूबर, मंगलवार, राजेश मेश्राम जिला मंत्री। 14 अक्टूबर, बुधवार, भारती ठाकुर नपाध्यक्ष, बालाघाट एवं सत्यनारायण अग्रवाल पूर्व जिलाध्यक्ष। 15 अक्टूबर गुरुवार, डॉ. नरेन्द्र भैरम जिला महामंत्री। 16 अक्टूबर, शुक्रवार, मौसम

पदाधिकारी उपस्थित रहकर पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगे। कार्यकर्ताओं से संवाद की यह व्यवस्था अक्टूबर माह के दौरान सोमवार से शुक्रवार अक्काश के दिनों को छोड़कर दोपहर 12 बजे से शाम 05 बजे तक रहेगी। अपरिहार्य कारणों से समय सारिणी में परिवर्तन संभव है।

इस संदर्भ में संपूर्ण जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया सह प्रभारी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि सहयोग सेल के तहत 01 अक्टूबर, गुरुवार, को भारती ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष बालाघाट एवं संजय मिश्रा जिला महामंत्री। 05 अक्टूबर, सोमवार, भारती पारधी, सांसद एवं गोपाल आडवाणी जिला उपाध्यक्ष। 06 अक्टूबर, मंगलवार, मौसम बिसेन पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य एवं जितेंद्र चौधरी, जिला सह-मीडिया प्रभारी। 07 अक्टूबर, बुधवार, फूलचंद सहारे जनपद अध्यक्ष, बालाघाट एवं कन्हैया चौहान जिला मंत्री। 08 अक्टूबर, गुरुवार, अजय मेश्राम

बिसेन पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य एवं अनिल धुवारे जिला उपाध्यक्ष। 21 अक्टूबर बुधवार, मानसिंह मेरावी, नपाध्यक्ष, मलाजखंड एवं किशोर अमूले जिला उपाध्यक्ष। 22 अक्टूबर, गुरुवार, अनिल धुवारे जिला उपाध्यक्ष। 23 अक्टूबर शुक्रवार, राजकुमार कराहे, विधायक लांजी एवं मोना सिद्धू कोर, जिला मंत्री। 26 अक्टूबर, सोमवार, संजय मिश्रा, जिला महामंत्री। 27 अक्टूबर, मंगलवार, प्रदीप गुड्डा जायसवाल, पूर्व केबिनेट मंत्री, एवं रेखा गोखले जिला मंत्री। 28 अक्टूबर, बुधवार, अनुपमा नेताम जिला महामंत्री। 29 अक्टूबर, गुरुवार, गौरव सिंह पारधी, विधायक कटंगी एवं डॉ. नरेन्द्र भैरम जिला महामंत्री। 30 अक्टूबर, शुक्रवार, रमेश भट्टे, पूर्व विधायक एवं सुधीर चौधरी जिला मंत्री भाजपा कार्यकर्ताओं संग संवाद करेंगे। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं से उपस्थिति का आग्रह है।

शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में

स्वच्छता ही सेवा एवं नशा मुक्ति का संदेश लेकर निकली सेवा संकल्प रैली..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ

एक्ससीलेन्स शासकीय

जटाशंकर त्रिवेदी

स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

बालाघाट में राष्ट्रीय सेवा

योजना (एनएसएस),

राष्ट्रीय कैडेट कोर

(एनसीसी) एवं रेड रिबन

क्लब के संयुक्त

तत्वावधान में सेवा संकल्प

अभियान के



अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा एवं नशा मुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। रैली महाविद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर काली पुतली चौक, रानी अवंतीबाई चौक तथा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जिला चिकित्सालय परिसर पहुंची। इस दौरान स्वयंसेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने -सेवा ही मानव धर्म, स्वच्छता अपनाएं, राष्ट्र को आगे बढ़ाएं- और -नशा छोड़ो - जीवन जोड़ो- जैसे नारों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया।

जिला चिकित्सालय के समक्ष एनएसएस स्वयंसेवकों ने -स्वच्छता ही सेवा- विषय पर नुकड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से स्वच्छता के महत्व, जनभागीदारी तथा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। इसके बाद जय स्तंभ चौक स्थित न्यायालय परिसर के समीप -नशा मुक्त भारत- विषय पर नुकड़ नाटक का

मंचन किया गया। इसमें युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया गया। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्र निर्माण एवं नशा मुक्ति से संबंधित नारों और संदेशों के माध्यम से जनजागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों ने मानव श्रृंखला बनाकर भारत के मानचित्र की आकृति बनाई। इस दौरान विकसित भारत-2047 के संकल्प को दोहराते हुए स्वच्छता एवं नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। इसके पश्चात सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने कहा कि

स्वच्छता एवं नशा मुक्ति केवल अभियान नहीं, बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण का आधार है। युवाओं की जागरूकता, अनुशासन एवं सक्रिय भागीदारी से विकसित भारत के लक्ष्य को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र एड्डे, एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. गजानन कटरे, रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ. शांजिया तबस्सुम सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं का विशेष योगदान रहा।

भू-दृश्य दृष्टिकोण आधारित प्राकृतिक खेती पर 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जगप्रेरणा बालाघाट। 1 अक्टूबर 2026 को फंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिस्टीमेट्री द्वारा भू-दृश्य दृष्टिकोण आधारित प्राकृतिक खेती विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपसंचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय, परियोजना संचालक आत्मा श्री राम नाथ पटेल सहित कृषि एवं आत्मा विभाग का मैदानी अमला उपस्थित रहा। कार्यशाला के दौरान उपसंचालक कृषि श्री फूल सिंह मालवीय ने मृदा स्वास्थ्य, आगामी रबी सीजन की तैयारियों एवं फसल विविधीकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने किसानों के लिए मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। परियोजना संचालक आत्मा श्री राम नाथ पटेल ने नई कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार एवं कृषि विज्ञान के विस्तार को लेकर चर्चा की। उन्होंने कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकों की जानकारी किसानों तक पहुंचाने और उनके प्रभावी उपयोग पर जोर दिया। कार्यशाला में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, फसल विविधीकरण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कृषि एवं आत्मा विभाग के मैदानी अमले ने भी कार्यशाला में सहभागिता की और कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के विषय पर चर्चा की।



13 आत्मसमर्पित नक्सली कैडरों में शेष 3 को भी भेजा गया गृह जिले में

आत्मसमर्पित नक्सलियों की गृह राज्य वापसी की प्रक्रिया की अंतिम कड़ी पूरी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

नक्सल विरोधी

अभियान के तहत

मध्यप्रदेश शासन की

आत्मसमर्पण, राहत एवं पुनर्वास

नीति-2023 तथा भारत सरकार

एवं गृह मंत्रालय के निर्देशों के

अनुरूप बालाघाट पुलिस द्वारा

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली

कैडरों को उनके गृह राज्य भेजने

की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में 1

अक्टूबर 2026

को शेष 3 आत्मसमर्पित नक्सली कैडरों को आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ पुलिस के सुपुर्द किया गया। प्रेस नोट के अनुसार, बालाघाट में नक्सल विरोधी अभियान से प्रभावित होकर कुल 13 नक्सली कैडरों ने हथियारों सहित आत्मसमर्पण किया है। इनमें से आत्मसमर्पित कैडरों को उनके गृह राज्य भेजने की प्रक्रिया के तहत पहले भी संबंधित जिला पुलिस के सुपुर्द किया जा चुका है। अब शेष 3 कैडरों की गृह राज्य वापसी की प्रक्रिया भी पूरी कर दी गई।



तीन आत्मसमर्पित कैडरों को सुकमा पुलिस के हवाले किया

जिला पुलिस के अनुसार 1 अक्टूबर को जिन तीन आत्मसमर्पित नक्सली कैडरों को छत्तीसगढ़ के जिला सुकमा पुलिस के सुपुर्द किया गया, उनमें एक एससीजेडएम स्तर का कैडर तथा दो एसोएम स्तर के कैडर शामिल हैं। प्रेस नोट में इनके विरुद्ध दर्ज आपराधिक मामलों और घोषित इनामी राशि का भी उल्लेख किया गया है। इन तीनों पर विभिन्न गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की जानकारी दी गई है तथा पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इन पर कुल मिलाकर लाखों रुपये का इनाम घोषित था।

पुनर्वास की दिशा में आगे बढ़ेंगे

प्रेस नोट में बताया गया है कि आत्मसमर्पण के बाद पुनर्वास की दिशा में सरकार की नीति के तहत आत्मसमर्पित नक्सली कैडरों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आवश्यक दस्तावेज तैयार किए गए हैं। इन दस्तावेजों में बैंक खाता, वोटर आईडी,

आधार कार्ड एवं पैन कार्ड आदि शामिल हैं। साथ ही आत्मसमर्पित कैडरों को कृषि एवं आजीविका संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्हें मछली पालन, सिलाई एवं प्राथमिक शिक्षा जैसी गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी पहल की गई है।

सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की ओर वापसी..

प्रेस नोट में कहा गया है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली कैडरों को उनके गृह राज्य में पुनर्वास की आगामी प्रक्रिया से जोड़ना उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर सामाजिक जीवन की ओर आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। बालाघाट पुलिस के अनुसार, यह प्रक्रिया आत्मसमर्पित नक्सली कैडरों के सामाजिक पुनर्स्थापन और समाज की मुख्यधारा में वापसी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

KINETIC GREEN

पाईये पेट्रोल के भारी महंगे बोझ से मुक्ति, जुड़िये ई बाईक और मोपेड से..

JAB CHAHIYE HO DOOR TAK DAHUNCH CHAL MERI LUNA

BOOK NOW @ JUST ₹ 1000/-

KINETIC GREEN BP E VEHICLES

Address : Ward No. 32, Near Arihant Gas Agency, Balaghat

Contact 8517852365, 7566752365

विज्ञापन आमंत्रित है..

मो. हासिब खान

जिला सिवनी

संपर्क - मो. 7898530101

जग प्रेरणा

live

3

शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं का फूटा गुस्सा, थाने का घेराव कर सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा कान्हीवाड़ा।
कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ आखिरकार महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है।



थाना क्षेत्र के ग्राम आमाकोला, जामुनटोला और खैरी में पिछले कई महीनों से धड़ल्ले से अवैध शराब बेची जा रही है। गांव की किराना दुकानों और घरों से खुलेआम शराब परोसी जा रही है, जिसके चलते गांव के युवा और स्कूली छात्र भी नशे की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। अवैध शराब के इस बढ़ते कारोबार से परेशान होकर आज सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एकजुट होकर कान्हीवाड़ा थाने पहुंचीं। महिलाओं ने थाने के सामने जमकर नारेबाजी करते हुए अपना

आक्रोश व्यक्त किया। ज्ञापन देने आई महिलाओं ने बताया कि उनके गांव में शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। नशे में धुत होकर युवा गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। 'हमारे पति और बेटे दिन भर की मजदूरी शराब में उड़ा देते हैं। घर में खाने को अनाज नहीं है, बच्चों की पढ़ाई बर्बाद हो रही है।' एक महिला ने रोते हुए बताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अवैध शराब बिक्री की शिकायत कई बार की गई, लेकिन कोई ठोस

कार्रवाई नहीं हुई, जिससे शराब बेचने वालों के हौसले बुलंद हैं। महिलाओं ने थाना प्रभारी को लिखित ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि तीनों गांवों में अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए और शराब बेचने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही गांव में पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाई जाए। इस मामले में थाना प्रभारी ने महिलाओं को आश्वासन दिया है कि ज्ञापन पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और अवैध शराब के ठिकानों पर दबिश देकर कारोबार को बंद कराया जाएगा। अब देखना होगा कि पुलिस के आश्वासन के बाद अवैध शराब के कारोबार पर लगाम लगती है या महिलाओं को फिर से आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

धनौरा पुलिस की अवैध जुए के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

थांवरी में दो फ़ड़ पर दबिश, 11 जुआरी गिरफ्तार, 18,560/- रुपये नगद जप्त



जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध गतिविधियों, जुआ-सट्टा पर प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है।

उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस घंसीर सुश्री रीना पाण्डे के मार्गदर्शन में थाना धनौरा पुलिस द्वारा जुआरियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। दिनांक 01/10/2026 को थाना धनौरा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम थांवरीकला में कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर दो अलग-अलग फ़ड़ लगाकर हार-जीत का दांव लगाकर ताश पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर दबिश दी

गई। पुलिस को देखकर जुआरी भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। पहले फ़ड़ से 05 आरोपियों को ताश पत्तों पर जुआ खेलते पकड़ा गया, जिनके पास से 8,240/- रुपये नगद एवं ताश के पत्ते जप्त किए गए। दूसरे फ़ड़ से 06 आरोपियों को जुआ खेलते पकड़ा गया, जिनके पास से 10,320/- रुपये नगद एवं ताश के पत्ते जप्त किए गए। इस प्रकार कुल 11 आरोपियों से कुल 18,560/- रुपये नगद एवं ताश के पत्ते जप्त कर उनके विरुद्ध थाना धनौरा में अपराध क्रमांक 246/2026, 247/ 2026 धारा 13 पब्लिक गैबलिंग एक्ट एवं धारा 112(2) बी.एन.एस. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी गण..

रायसिंह पिता भगवत नायक उम्र 40 नि. देवघाट, रंजीत पिता संतकुमार यादव उम्र 25 नि. देवघाट, राम यादव पिता गंगाराम यादव उम्र 25 नि. देवघाट, गिरीश पिता सुमरन तेकाम उम्र 24 नि. आमनाला, सोमसिंह पिता बलम सिंह इनवाती उम्र 35 नि. धनौरा, भूरा उर्फराजेश पिता रामदास पंचेश्वर उम्र 24 नि. थांवरीकला, प्रवीण पिता चमरदास टांडिया उम्र 24 नि. मुंगवानी, सुखदीन पिता श्यामसिंह सल्लाम उम्र 35 नि. भुरकुण्डी, रेशलाल पिता कंचनलाल काकोड़िया उम्र 38 नि. भुरकुण्डी, सोनू पिता बबू मर्सकोले उम्र 24 नि. बरेलीकला, संतोष पिता तुलसीराम यादव उम्र 30 नि. थांवरीकला।

सराहनीय भूमिका..

थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष बंसोड़, सर्वजित सुनील मरावी, प्र.आर. रुपसिंह मरावी, प्र.आर. हुलसीराम बोहने, आर. देवेश चौधरी, आर. भास्कर सरवैया, आर. संजय भलावी, चालक आर. दीपक अमूले, सैनिक बलराम उड़ाली।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस की चालानी कार्यवाही..

वाहन चालकों से समन शुल्क वसूल कर यातायात नियमों के पालन की दी गई समझाइश..



जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) द्वारा जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले

वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री दीपक मिश्रा एवं संबंधित अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाकर चालानी कार्यवाही की गई।

विस्तृत कार्यवाही विवरण..

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा शहर के छिंदवाड़ा चौक में सघन चेकिंग लगाकर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दुपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 08 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत चालानी कार्यवाही की गई तथा वाहन चालकों से समन शुल्क वसूल किया गया। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेज साथ रखने एवं सुरक्षित यातायात

व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में समझाइश दी गई। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार चेकिंग एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कुल कार्रवाई..

08 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही, मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई, वाहन चालकों से समन शुल्क वसूल, वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन की समझाइश।

उल्लेखनीय भूमिका..

उक्त कार्रवाई में प्रशिक्षु डीएसपी सचिन मुहानिया, निरीक्षक सतीश तिवारी एवं थाना कोतवाली स्टाफकी सराहनीय भूमिका रही। जिला सिवनी पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चेकिंग एवं वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी है।

कोतवाली पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई

12 लीटर कच्ची शराब सहित एक आरोपी गिरफ्तार, बाइक जप्त..



जगप्रेरणा सिवनी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी द्वारा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देशों के

पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। दिनांक 01/ 10/ 2026 को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर अवैध शराब लेकर ग्राम खैरीटेक की ओर जा रहा है। सूचना पर तत्काल टीम गठित कर मुखबिर के

बताए स्थान ग्राम खैरीटेक एवं शीलादेही के बीच पुलिस के पास घेराबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान एक व्यक्ति **TVS RAIDER** कंपनी की मोटरसाइकिल पर पीले रंग की बोरी लिए मिला। पृच्छाछ पर उसने अपना नाम विशाल सोहानिया पिता सूरजलाल सोहानिया उम्र 26 साल निवासी सुकतरा थाना कुर्ख जिला सिवनी बताया। उसके पास रखी पीले रंग की प्लास्टिक बोरी की तलाशी लेने पर बोरी के अंदर काले रंग के

ट्यूब (ब्लाडर) में भरी करीब 12 लीटर हाथभट्टी महुआ की कच्ची शराब कीमती 1200/- रुपये बरामद हुई। आरोपी से शराब रखने एवं परिवहन का वैध लाइसेंस पूछने पर नहीं होना बताया। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

जम मशरूका- 12 लीटर हाथभट्टी कच्ची शराब कीमती 1200/- रुपये, 01 **TVS RAIDER** मोटर साइकिल। **गिरफ्तार आरोपी-** विशाल सोहानिया पिता सूरजलाल सोहानिया उम्र 26 साल नि. सुकतरा थाना कुर्ख।

सराहनीय भूमिका..

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सतीश तिवारी, प्र.आर. संतोष साह एवं चीता स्टाफकी सराहनीय भूमिका रही।

गायत्री परिवार के रक्तदान शिविर में 70 यूनिट रक्तदान

जगप्रेरणा पलारी।
गायत्री परिवार के तत्वावधान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खैरा पलारी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।



शिविर में क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 70 यूनिट रक्तदान किया। आयोजकों ने बताया कि रक्तदान के माध्यम से ज़रूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस दौरान रक्तदाताओं को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई तथा समाजसेवा के

लिए प्रेरित किया गया। गायत्री परिवार के सदस्यों ने रक्तदाताओं एवं शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

खदान बंद होने के बावजूद रेत निकासी का आरोप..
ग्रामीणों ने जेसीबी पकड़ी; जल्दी न होने पर खनिज विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल..

जगप्रेरणा सिवनी।
जिले की केवलारी तहसील अंतर्गत उपतहसील ऊगली के समीपस्थ ग्राम खुस्तुरा में रेत खदान बंद होने के बावजूद नदी से कथित रूप से रेत निकाले जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, नदी के ऊपर बनाए गए डंप में एक जेसीबी मशीन जिसका क्रमांक एम पी 20 डी ए 3134 लगी हुई थी। ग्रामीणों ने जब मौके पर जेसीबी देखी तो ऑपरेंटर से खदान बंद होने के बावजूद मशीन लगाए जाने का कारण पूछा। ग्रामीणों का कहना है कि जेसीबी ऑपरेंटर ने जवाब दिया कि 'जिसकी रेत है, उसी ने भेजा है।' जब ग्रामीणों ने रेत के मालिक का नाम पूछा तो ऑपरेंटर ने कथित तौर पर 'बांधा कंपनी की रेत' होने की बात कही। इसके बाद ऑपरेंटर जेसीबी को लॉक कर मौके से चला गया। घटना की जानकारी ग्रामीणों ने तत्काल खनिज विभाग के अधिकारियों को फोन पर दी। सूचना मिलने के कुछ समय बाद खनिज अधिकारी श्रीमती सेवंती परते मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों के अनुसार, अधिकारी ने मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत की और मामले को लेकर पंचनामा भी बनाया गया। इसके बाद काफी

देर तक ग्रामीणों से चर्चा करने के बाद अधिकारी मौके से चली गईं।
जेसीबी की जल्दी नहीं होने पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल..

ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर जेसीबी मशीन मौजूद थी और उसके ऑपरेंटर द्वारा रेत को लेकर कंपनी का नाम भी बताया गया था, इसके बावजूद जेसीबी की जल्दी नहीं की गई। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि खदान बंद थी और मौके पर रेत निकासी के लिए जेसीबी मिली थी, तो मशीन को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई क्यों नहीं की गई? ग्रामीणों ने खनिज विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मौके पर अवैध रेत निकासी की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए और जेसीबी को जब्त किया जाना चाहिए था। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जेसीबी की जल्दी नहीं किए जाने के पीछे क्या कारण रहा, इसकी स्पष्ट जानकारी विभाग को सार्वजनिक करनी चाहिए। कुछ ग्रामीणों ने आशंका जताते हुए सवाल उठाया कि कहीं किसी कंपनी के दबाव या किसी अन्य वजह से कार्रवाई नहीं की गई? हालांकि, इस संबंध में संबंधित कंपनी या खनिज विभाग का पक्ष सामने आना बाकी है। ग्रामीणों ने वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

तनिष्का और प्रत्यूष ने लहराया परचम..

राष्ट्रीय स्तर पर शतरंज प्रतियोगिता के लिए हुए चयनित, मध्य प्रदेश का करेंगे प्रतिनिधित्व..



जगप्रेरणा सिवनी।
सीहोर में आयोजित प्रदेश स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रत्यूष सिंह एवं तनिष्का श्रीवास्तव ने

राष्ट्रीय स्तर के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। प्रत्यूष हट्टुसुद्ध 14 एवं हट्टुसुद्ध 17 कैटेगरी के लिए मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे, उनके साथ प्रदेश के अन्य चार बच्चे मध्य प्रदेश की ओर से भारत के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों के साथ शतरंज प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखाएंगे। ज्ञात हो कि प्रत्यूष सिंह पिता प्रशांत ठाकुर एवं माता श्रीमती नंदनी ठाकुर और तनिष्का श्रीवास्तव पिता अतुल श्रीवास्तव, माता श्रीमती अलका श्रीवास्तव सिटी एंजेल पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत हैं। विगत 3

वर्षों से लगातार वे शतरंज के खेल में विभिन्न स्थान में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं इससे पूर्व भी वे एआईसीएफद्वारा आयोजित शतरंज प्रतियोगिता के राष्ट्रीय स्तर में बेंगलुरु में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रत्यूष सिंह सीहोर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ियों ने इंदौर एवं उज्जैन व अन्य संभाग के प्रतिभागियों को हराकर राष्ट्रीय स्तर के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

आगामी जनवरी माह में सीहोर में ही अंडर 14 एवं राजस्थान हट्टुसुद्ध 17 में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमें सफलता के लिए हम प्रत्यूष सिंह एवं तनिष्का श्रीवास्तव को शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

आज जिला कांग्रेस कार्यालय मे मनाई जायेगी महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती..

जगप्रेरणा सिवनी।
राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी की जयंती दिनांक 2 अक्टूबर 2026, दिन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे, जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में मनायी जाएगी।
जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने समस्त कांग्रेस जनों से इस अवसर पर उपस्थिति का अनुरोध किया है।

नागपुर में 3 अक्टूबर को सजेगा बाबा श्याम का भव्य दरबार..

‘रुबरु मेरे श्याम से’ भजन संध्या में देशभर के प्रसिद्ध भजन प्रवाहक देंगे प्रस्तुति, सिवनी से भी पहुंचेंगे श्याम प्रेमी..

जगप्रेरणा सिवनी।
खादू नरेश बाबा श्याम की भक्ति और संगीतमय भजनों से सजी भव्य भजन संध्या ‘रुबरु मेरे श्याम से’ का आयोजन शनिवार, 3 अक्टूबर को नागपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम दोपहर 2:15 बजे से प्रभु इच्छ तक पारडी स्थित भवानी माता मंदिर के समीप रॉयल मां गंगा सेलिब्रेशन हॉल में आयोजित होगा। आयोजन में बाबा श्याम का भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया जाएगा। कोलकाता के कार्यगरों द्वारा आकर्षक पुष्प-दरबार सजाया जा रहा है। इस अवसर पर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी, संपूर्ण परिसर को इत्र की सुगंध से सुवासित किया जाएगा तथा बाबा श्याम को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। इसी दिन नागपुर के नंदनवन स्थित श्याम धाम मंदिर में भी कोलकाता से

मंगाए गए विशेष पुष्पों से बाबा का श्रृंगार किया जाएगा। कार्यक्रम में खादू श्याम मंदिर, राजस्थान के निज मंदिर पुजारी रविंद्र सिंह चौहान का सानिध्य प्राप्त होगा। वहीं कोलकाता के प्रसिद्ध भजन रचयिता निर्मल झुनझुनवाला के मार्गदर्शन में भजन संध्या आयोजित की जाएगी। भजन संध्या में मुंबई के राजू खंडेलवाल, कोलकाता के रवि बेरीवाल, सौरभ शर्मा, विवेक शर्मा, लव अग्रवाल, नितेश (गोल्ड) शर्मा एवं रोहित शर्मा, कटिहार के आदर्श खगोच, कानपुर के अभिषेक शुक्ला, चंडीगढ़ के गुरप्रीत धारीवाल, नागपुर के श्याम-शुभम एवं पंकज उपाध्याय तथा कामठी के संजू शर्मा सहित अनेक प्रसिद्ध भजन प्रवाहक अपनी प्रस्तुतियों से बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करेंगे।

इस भव्य आयोजन में सिवनी से भी बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी शामिल होंगे। श्री श्याम परिवार समिति, सिवनी ने नगर एवं आसपास के सभी श्याम प्रेमियों से परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर बाबा श्याम के भजनों की अमृतगंगा और दिव्य दरबार का लाभ लेने का आग्रह किया है।

नमामि भारतम् वंदे मातरम् का हुआ सामूहिक गायन..

जगप्रेरणा गणेशगंज।
लखनादौन विकासखंड के अंतर्गत आने वाले गणेशगंज के सरस्वती शिशु मंदिर गणेशगंज में विगत दिवस ‘नमामि भारतम्’ कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय गीत ‘वंदे मातरम्’ के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदे मातरम् गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय भावना तथा मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और सम्मान को भावना को जागृत करना रहा। विद्यालय के भैया-बहिनो ने पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम के प्रति विशेष भैया बहिनो अभिभावकों एवं आचार्य दीदीयों में उत्साह एवं उमंग देखने को मिला।इस अवसर पर बाला भवानी बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ रामसिंह ठाकुर , व्यवस्थापक तुलसी सिंह ठाकुर, किशोर केशवानी , राजेश यादव,



हेमंत चौकसे, बालाराम यादव प्रधानाचार्य कुमार सिंह राजपूत विद्यालय के भैया-बहिन, आचार्य-दीदी, अधिकारीगण एवं अभिभावकगण सहित कुल 379 की उपस्थिति रही। सभी ने एक स्वर में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा एवं समर्पण व्यक्त किया।

कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत रहा। सामूहिक वंदे मातरम् गायन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

छत्तीगढ़ में नगर विकास योजना के तहत मंत्री की पत्नी से जुड़ी कंपनी को लाभ पहुंचाया गया: कांग्रेस..

रायपुर, (भाषा)।

छत्तीसगढ़ में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि रायपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने राजधानी रायपुर के बाहरी इलाके में प्रस्तावित नगर विकास योजना के तहत राज्य के मंत्री केदार कश्यप की पत्नी से जुड़ी एक कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया है।

कांग्रेस ने वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री कश्यप से इस्तीफे की मांग की और प्रस्तावित आवंटन की स्वतंत्र एवं उच्च-स्तरीय जांच कराने को कहा। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन आरोपों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला और प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने आरोप लगाया कि राधिका पैलैस प्राइवेट लिमिटेड, जिसमें कश्यप की पत्नी शांति कश्यप निदेशक हैं, को कचना में कंपनी के पास मौजूद जमीन के बदले सड़ू में 23,327 वर्ग फुट का भूखंड आवंटित किया जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि कंपनी की मूल जमीन कचना की नालापारा बस्ती में एक सेंकरी सड़क पर स्थित है, जहां आने-जाने का रास्ता मुश्किल से छह-सात फुट चौड़ा है और उस जमीन की कीमत कुछ लाख रुपये ही है।

उन्होंने बताया कि एमआर-43 नगर विकास

योजना के तहत आरडीए ने मालिकों से मूल जमीन लेकर उसके बदले मूल भूखंड के क्षेत्रफल के 40 प्रतिशत के बराबर विकसित भूखंड देने का प्रावधान किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरडीए की वेबसाइट पर करीब 23,327 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले भूखंड संख्या 25 को कंपनी को उसकी मूल जमीन के बदले आवंटित किए जाने का उल्लेख है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क विकसित होने के बाद प्रस्तावित भूखंड की कीमत 20 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि कचना की जमीन के बदले सड़ू में भूखंड किस आधार पर दिया जा रहा है। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 के प्रावधानों का भी हवाला दिया और सवाल उठाया कि कंपनी को दिया जाने वाला भूखंड उसकी मूल जमीन से सटा हुआ क्यों नहीं है।

कांग्रेस ने इस आवंटन की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष उच्च-स्तरीय जांच की मांग की। इन आरोपों को खारिज करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने कहा कि बड़े भूखंड ऐसी जगहों पर आवंटित करना नीतिगत फैसला है, जहां आमतौर पर आवागमन की बेहतर सुविधा हो। उन्होंने कहा कि आरडीए और वरिष्ठ मंत्री कश्यप पर लगाए गए आरोप पूरी तरह बेबुनियाद, मनगढ़ंत और राजनीतिक निराशा से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा, “नगर विकास योजना कोई नयी अवधारणा नहीं है। जमीन लेने के दो तरीके हैं। एक भूमि अधिग्रहण है, जिसके लिए सुआवजा दिया जाता है और दूसरा जमीन का विकास कर मूल जमीन के क्षेत्रफल का 40

प्रतिशत हिस्सा जमीन मालिक को वापस देना है। बाकी जमीन का इस्तेमाल विकास कार्यों के लिए किया जाता है।”

पांडेय ने कहा कि बड़े भूखंड बेहतर आवागमन सुविधा वाले क्षेत्रों में देने का निर्णय नीतिगत है। उन्होंने कहा कि मंत्री को भाजपा ने जमीन आवंटित नहीं की है।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सदस्य रिकॉर्ड देखें तो उन्हें पता चलेगा कि कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा को इसी योजना के तहत 80 हजार वर्ग फुट का भूखंड आवंटित किया गया था, जो इससे करीब तीन गुना बड़ा है।

उन्होंने दावा किया कि नीति के तहत बड़े भूखंड सड़कों के किनारे दिए जाते हैं, जहां आवागमन की सुविधा बेहतर हो, ताकि यातायात संबंधी समस्या पैदा किए बिना व्यावसायिक परियोजनाएं विकसित की जा सकें।

पांडेय ने कहा कि जमीन खास तौर पर मंत्री की पत्नी की कंपनी को आवंटित नहीं की गई है और ऐसे 17 लोग हैं जिनके बड़े भूखंडों को फिर से व्यवस्थित किया गया है।

उन्होंने दावा किया कि मंत्री की पत्नी की कंपनी की जमीन विकास योजना लागू होने से पहले से मौजूद थी और योजना तैयार होने के बाद नहीं खरीदी गई थी। आरडीए के उपाध्यक्ष डॉ. जे. पी. शर्मा ने भी पक्षपात के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा, “आवंटन नियमों के अनुसार और पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए किया गया है, न कि किसी व्यक्ति का चेहरा देखकर। जमीन मालिकों के अनियमित आकार वाले भूखंडों को नियमित आकार के भूखंडों में पुनर्गठित किया गया और अनियमित हिस्से आरडीए ने अपने पास रख लिए।”

महिलाओं से मारपीट : उप जिलाधिकारी समेत 10 अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आरोप

पीलीभीत (उप्र), (भाषा)। ***पीलीभीत की एक विशेष अदालत ने आवासीय क्षेत्र में संचालित शराब की दुकानों का विरोध कर रही महिलाओं से कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में तत्कालीन उपजिलाधिकारी (एसडीएम)***



खटीमा-उत्तराखंड मार्ग पर आबादी के बीच संचालित शराब की दो दुकानों का कथित तौर पर विरोध कर रहे थे।

गांव की निवासी शीतल ने अधिवक्ता सुधीर तिवारी के माध्यम से अदालत में दायर याचिका में कहा कि शराब की दुकानों के सामने से छात्राएं गुजरती हैं और इन दुकानों पर मौजूद लोग उन पर अक्सर फ्बियां कसते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पास में एक मंदिर है, इसलिए ग्रामीण लंबे समय से इन दुकानों को हटाने की मांग कर रहे थे।

शिकायत के अनुसार, सात मई 2026 को तड़के करीब दो बजे आबकारी निरीक्षक दीपक कुमार, कालानगर के तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार, सीओ, थाना प्रभारी तथा राजस्व, आबकारी और पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी शराब की दुकान पर पहुंचे।

आरोप है कि वहां विरोध करने पहुंचीं शीतल, सुधा देवी, सुदामी देवी, सत्यदेवी, पूरमती, गुड्डी देवी और ममता समेत अन्य महिलाओं के साथ

मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने कथित तौर पर मारपीट और अभद्रता की।

शीतल ने आरोप लगाया कि उसकी सास रामश्री को डंडे से पीटा गया, जबकि उसे अपशब्द कहे गए, धक्का देकर सड़क पर गिराया गया और उसके साथ मारपीट की गई।

शिकायत में कहा गया कि महिलाओं ने माधोटांडा थाने में शिकायत की, लेकिन मामला दर्ज नहीं किया गया। शीतल ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस अधीक्षक से शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके बाद उसने अदालत का रुख किया। अदालत ने आवेदन और दस्तावेजों का अवलोकन करने तथा दलीलें सुनने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच के निर्देश दिए। अधिवक्ता सुधीर तिवारी के अनुसार, अदालत के आदेश में कालानगर के तत्कालीन एसडीएम प्रमेश कुमार, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, आबकारी निरीक्षक दीपक कुमार, नायब तहसीलदार अक्षय कुमार, एक राजस्व निरीक्षक और पुलिसकर्मियों के नाम शामिल हैं। तिवारी ने कहा कि अदालत ने 25 सितंबर को आदेश दिया था और 27 सितंबर को अनुपालन के लिए आदेश भेजा गया, लेकिन अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

राजस्थान: मुख्यमंत्री ने 1,277 करोड़ रुपये के 83 विकास कार्यों का लोकार्पण- शिलान्यास किया

जयपुर, (भाषा)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को चूरू, झुझुनूं और सीकर जिलों में 1,277 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 83 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीकर के प्लेहपुर में ‘सेवा संकल्प’ अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा करने के लिए काम कर रही है।

उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घोषणापत्र में किए गए 78 प्रतिशत वादे पूरे किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से कई लंबित जल परियोजनाएं आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौते और नर्मदा से संबंधित समझौते का भी उल्लेख किया।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में जल जीवन मिशन

के तहत 15 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल के कनेक्शन दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 3.82 लाख मकानों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 4.53 लाख अन्य मकानों का निर्माण जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए काम कर रही है तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन में भी बढ़ोतरी की जा रही है।

बृहस्पतिवार को जिन 83 विकास कार्यों का लोकार्पण या शिलान्यास किया गया, उनमें ऊर्जा विभाग से संबंधित करीब 296 करोड़ रुपये की लागत वाले छह कार्य शामिल हैं।

इन परियोजनाओं में चिकित्सा शिक्षा, विद्यालय एवं संस्कृत शिक्षा, अल्पसंख्यक मामलों, सार्वजनिक निर्माण, पशुपालन और स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े कार्य भी शामिल हैं।

इसके अलावा मंडावा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और खेतड़ी में जिला परिवहन कार्यालय के भवन तथा सीकर जिला स्टेडियम में बास्केटबॉल अकादमी का निर्माण भी इन कार्यों में शामिल है।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने गुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक ‘जगप्रेरणा’ अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने गुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी गुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

मतदान सुनिश्चित कराना आयोग का दायित्व, दशकों बाद एसआईआर पर लोग भी सवाल उठा सकते हैं : न्यायालय

पणजी, (भाषा)।

बंबई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग का मुख्य दायित्व है कि नागरिक अपने मतधिकार का इस्तेमाल कर सकें और जब आयोग मतदाताओं के आचरण पर सवाल उठाता है तो नागरिकों को भी यह पूछने का अधिकार है कि 24 साल बाद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) क्यों कराया जा रहा है।

परिवार के छह सदस्यों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के मामले में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने जो किया, वह उसके उद्देश्य के अनुरूप नहीं है। पीठ में न्यायमूर्ति वाल्मीकि मिनेजिस और न्यायमूर्ति अमित एस. जामसंडेकर शामिल हैं।

याचिकाकर्ता परेश सालगांवकर और उनके परिवार के सदस्यों ने अदालत को बताया कि वे उसी सांता कruz विधानसभा क्षेत्र में एक नए घर में चले गए थे और बूथ स्तर के अधिकारी ने उन्हें पता बदलने के लिए फॉर्म-8 जमा करने को कहा था। याचिकाकर्ताओं ने बताया कि फॉर्म पर कार्रवाई के दौरान यह समस्या सामने आई कि उनके

नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर जंतर - मंतर पर हुए आंदोलन में घुस गए थे 2,983 अपराधी : विहिप अध्यक्ष

इंदौर

(मध्यप्रदेश),

(भाषा)।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों हुए विरोध प्रदर्शन में 2,983 अपराधी भी घुस गए थे और इस आंदोलन में शामिल नौजवान देश की समूची ‘जेन-जी’ का प्रतिनिधित्व नहीं

करते। कुमार ने यह बात ऐसे वक्त कही, जब इस विरोध प्रदर्शन की अगुवा कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर अक्टूबर के अंत से नया आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है।

कुमार ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, “मैं ऐसा नहीं मानता कि जंतर-मंतर पर जो लोग आए थे, वे भारत की संपूर्ण ‘जेन-जी’ का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहां एक विशेष मानसिकता के लोग आए थे।” ‘जेन-जी’ (जेनरेशन जेड) से तात्पर्य उस पीढ़ी से है, जिसका जन्म मुख्य रूप से 1997 से 2012 के बीच हुआ है। विहिप अध्यक्ष ने यह जानकारी मिलने का दावा किया कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर के प्रदर्शन स्थल पर 1,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए थे जो पुलिस के डेटाबेस से जुड़े हुए थे।

उन्होंने कहा, “वहां जब भी कोई ऐसा चेहरा आता था, जो पुलिस के रिकॉर्ड में बार-बार

निर्वाचक फेटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला और इस वजह से उनका फॉर्म-8 खारिज कर दिया गया।

निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वकील गौरीश अग्नि ने सवाल किया कि याचिकाकर्ताओं ने एसआईआर से पहले अधिकारियों को अपने स्थानांतरण की सूचना क्यों नहीं दी थी।

इस पर पीठ ने कहा, “याचिकाकर्ता भी पूछेगा कि 24 साल बाद यह एसआईआर क्यों, क्योंकि वह भारत का नागरिक है। इसे बीच में क्यों नहीं किया गया, क्योंकि तब संख्या को नियंत्रित किया जा सकता था।” पीठ ने कहा कि अगर मतदाता सूची को लगातार अद्यतन किया जाता तो ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। न्यायाधीशों ने कहा, “यह दोषारोपण का मामला नहीं है।” उन्होंने कहा कि निर्वाचन अधिकारियों के पास जन्म और मृत्यु के प्रमाणपत्रों तक पहुंच है और यदि मतदाता सूची नियमित रूप से अद्यतन की जाए तो मृत लोगों के नाम हटाए जा सकते हैं।

पीठ ने कहा कि किसी व्यक्ति के 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर उसे मतदाता सूची में शामिल करने पर भी विचार किया जाना चाहिए, न कि केवल आवेदन आने का इंतजार किया जाए।



परीक्षार्थियों और उनके परिवारों के साझा सपनों को तोड़कर बिखेर देता है।” नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर जंतर-मंतर पर काँजपा की अग्रवाई में युवाओं का विरोध प्रदर्शन 36 दिन तक चला था। इसके कारण शिक्षा मंत्री धर्मेद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था।

निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी विवाद पर विपक्ष के हमलों पर विहिप

अपराध करने वाला या जघन्य अपराधों में लिस अपराधी था तो एक दस्तावेज तैयार होता था। ऐसे 2,983 अपराधी उस आंदोलन में घुस गए थे। हालांकि, आंदोलनकारियों ने उन्हें नहीं बुलाया था, पर वे आंदोलन में घुस गए थे।”

कुमार ने कहा कि उन “पराजित” राजनीतिक दलों के लोग भी जंतर-मंतर पहुंचे थे, जिन्हें लगता था कि भारत की ‘जेन-जी’ जाग गई है और श्रीलंका, नेपाल एवं बांग्लादेश की तरह नौजवान आंदोलन करेंगे तथा नेरेंद्र मोदी को हटाकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा देंगे। उन्होंने कहा, “...इसलिए वह पूरी तरह से छात्रों का आंदोलन नहीं था। कम्युनिस्ट संगठन इस आंदोलन को खुला समर्थन दे रहे थे। आंदोलन में जिस तरह के अश्लील और वाहियात नारे लगाए गए थे, वह इन संगठनों की पुरानी भाषा है।”

विहिप अध्यक्ष ने हालांकि कहा, “जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के मुद्दे से हम भी सहमत थे क्योंकि किसी भी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होना

बीजद, कांग्रेस ने ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी गोपालन के वीआरएस पर सवाल उठाये

भुवनेश्वर, (भाषा)।

ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरएस गोपालन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने निजी कारणों से सरकारी सेवा से स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) मांगी है। उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति में अभी लगभग 21 महीने बाकी हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2001 बैच के अधिकारी गोपालन जुलाई, 2024 से ओडिशा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। उनके पास आबकारी विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी है। उन्हें जून 2028 में सेवानिवृत्त होना था।

गोपालन ने ‘पीटीआई-भाषा’ से बातचीत में कहा कि वीआरएस लेने का उनका फैसला राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा, “मैं निजी कारणों से वीआरएस लेना चाहता हूं। मैं निजी मामलों से ध्यान देना चाहता हूं। मैं अपने परिवार पर ध्यान केंद्रित करूंगा और अपने बेटे की स्कूली शिक्षा पूरी होने तक भुवनेश्वर में ही रहूंगा।”

यह पूछे जाने पर कि क्या उनका फैसला एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्ष द्वारा उनके इस्तीफे की मांग से जुड़ा है, इस पर गोपालन ने कहा, “अगर वे खुश होना चाहते हैं तो उन्हें खुश होने दें। मैंने दो सितंबर को सरकारी सेवा में 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और इसलिए वीआरएस लेने का फैसला किया।”

न्यायालय ने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून और निर्वाचन आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नागरिक मतदान करें। उसने कहा कि निर्वाचन आयोग का प्रयास ऐसी मतदाता सूची तैयार करना होना चाहिए जिसमें अधिकतम पात्र मतदाता शामिल हों।

पीठ ने कहा, “उस उद्देश्य के लिए वे कोई भी उपाय अपना सकते हैं। आप जो भी उपाय अपनाएं, उद्देश्य हासिल होना चाहिए। उस उद्देश्य की राह में यहां-वहां कुछ विसंगतियां हो सकती हैं, लेकिन उद्देश्य की अनदेखी नहीं की जा सकती।” पीठ ने कहा कि फॉर्म-8 को खारिज करने के बजाय उसे लंबित रखा जा सकता था और मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के बाद इन आवेदनों पर विचार किया जा सकता था।

न्यायालय ने कहा, “अगर आप उसे लंबित नहीं रखते हैं तो व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाता है। वह न यहां रहेगा, न वहां। आप मतदाता सूची को अंतिम रूप दें और उसके बाद सभी फॉर्म-8 पर विचार करें। इससे आपको यह समझने में सबसे अच्छी मदद मिलेगी कि कितने लोग स्थानांतरित हुए हैं।” उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई पांच अक्टूबर को तय की है।

अध्यक्ष कुमार ने कहा कि सभी संवैधानिक संस्थाओं को अपमानित कर उन्हें अविश्वसनीय साबित करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि देश को कमजोर किया जा सके। उन्होंने कटाक्ष किया, “कुछ लोग चुनाव हारने की हाताश का कारण अपने अंदर ढूंढने के बजाय अंपायर को दोष दे रहे हैं।” विहिप अध्यक्ष ने सड़क निर्माण सरीखे बुनियादी ढांचे से जुड़े कामों के लिए मंदिरों को हटाए जाने के सवाल पर कहा कि अगर कोई मंदिर अपने धार्मिक महत्व के कारण लोगों की श्रद्धा का केंद्र है, तो किसी भी सरकार को उसे हटाने के मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाना चाहिए और जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए। कुमार, विहिप के दिवंगत नेता अशोक सिंहल के जन्म शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम में हिस्सा लेने इंदौर आए थे। उन्होंने सिंहल के योगदान को याद करते हुए कहा, “हम केंद्र सरकार से अपेक्ष करेंगे कि देशभर में गोवंश की रक्षा के लिए कानून बनाया जाए।”

विहिप अध्यक्ष ने हालांकि कहा, “जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के मुद्दे से हम भी सहमत थे क्योंकि किसी भी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होना अपराध करने वाला या जघन्य अपराधों में लिस अपराधी था तो एक दस्तावेज तैयार होता था। ऐसे 2,983 अपराधी उस आंदोलन में घुस गए थे। हालांकि, आंदोलनकारियों ने उन्हें नहीं बुलाया था, पर वे आंदोलन में घुस गए थे।”

कुमार ने कहा कि उन “पराजित” राजनीतिक दलों के लोग भी जंतर-मंतर पहुंचे थे, जिन्हें लगता था कि भारत की ‘जेन-जी’ जाग गई है और श्रीलंका, नेपाल एवं बांग्लादेश की तरह नौजवान आंदोलन करेंगे तथा नेरेंद्र मोदी को हटाकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा देंगे। उन्होंने कहा, “...इसलिए वह पूरी तरह से छात्रों का आंदोलन नहीं था। कम्युनिस्ट संगठन इस आंदोलन को खुला समर्थन दे रहे थे। आंदोलन में जिस तरह के अश्लील और वाहियात नारे लगाए गए थे, वह इन संगठनों की पुरानी भाषा है।”

विहिप अध्यक्ष ने हालांकि कहा, “जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के मुद्दे से हम भी सहमत थे क्योंकि किसी भी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होना अपराध करने वाला या जघन्य अपराधों में लिस अपराधी था तो एक दस्तावेज तैयार होता था। ऐसे 2,983 अपराधी उस आंदोलन में घुस गए थे। हालांकि, आंदोलनकारियों ने उन्हें नहीं बुलाया था, पर वे आंदोलन में घुस गए थे।”

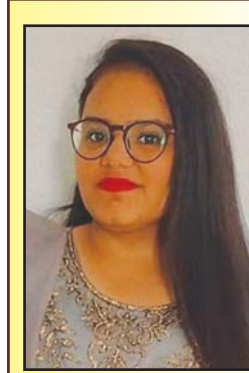
कुमार ने कहा कि उन “पराजित” राजनीतिक दलों के लोग भी जंतर-मंतर पहुंचे थे, जिन्हें लगता था कि भारत की ‘जेन-जी’ जाग गई है और श्रीलंका, नेपाल एवं बांग्लादेश की तरह नौजवान आंदोलन करेंगे तथा नेरेंद्र मोदी को हटाकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठा देंगे। उन्होंने कहा, “...इसलिए वह पूरी तरह से छात्रों का आंदोलन नहीं था। कम्युनिस्ट संगठन इस आंदोलन को खुला समर्थन दे रहे थे। आंदोलन में जिस तरह के अश्लील और वाहियात नारे लगाए गए थे, वह इन संगठनों की पुरानी भाषा है।”

विहिप अध्यक्ष ने हालांकि कहा, “जंतर-मंतर पर हुए आंदोलन के मुद्दे से हम भी सहमत थे क्योंकि किसी भी परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होना अपराध करने वाला या जघन्य अपराधों में लिस अपराधी था तो एक दस्तावेज तैयार होता था। ऐसे 2,983 अपराधी उस आंदोलन में घुस गए थे। हालांकि, आंदोलनकारियों ने उन्हें नहीं बुलाया था, पर वे आंदोलन में घुस गए थे।”

इससे पहले बीजद ने आरोप लगाया था कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 27.50 लाख से अधिक मतदाताओं को सूची से बाहर कर दिया गया और दावा किया कि इस मामले को छिपाया जा रहा है। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया था कि सीईओ ने मतदाता संबंधी आंकड़ों में “हैरेफेर” किया है। गोपालन ने अपने करियर के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है। इनमें भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के उप महानिदेशक, श्रम विभाग के सचिव और कृषि निदेशक के पद शामिल हैं।

इस महीने की शुरुआत में भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त जगमोहन मीणा ने भी सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया था, जो एक आईपीएस अधिकारी हैं। ओडिशा सरकार ने 27 अगस्त को उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया था और इसके बाद आगे की प्रक्रिया के लिए इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दिया था।





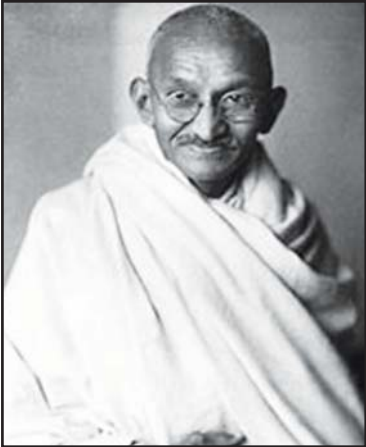
दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

गांधी के गांव गणराज्य का सपना आज भी अधूरा..

अगस्त 1947 को देश की पहली स्वतंत्रता दिवस पर गांधीजी ने कहा था 'मेरे सपनों का भारत सात लाख गांव गणराज्यों का संघ' होगा। भारत के संविधान के अनुच्छेद 40 के तहत से यह उम्मीद की गई थी कि राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उनको ऐसी शक्तियां और प्राधिकार प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्तता की इकाइयों के रूप में कार्य करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों। इस संवैधानिक निर्देश के पालन में केन्द्र और राज्य सरकार विफल रही। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1952 में आदिवासी वयवस्था के लिए पंचशील निर्धारित किये। इनमें बिना बाहरी हस्तक्षेप के समाज द्वारा अपनी परम्परा के अनुसार अपनी व्यवस्था करने का अधिकार मुख्य बिन्दु था। 1956 में बलवंत राय समिति ने देश में तीन स्तरीय पंचायत व्यवस्था के लिये सिफारिश की थी। उसी के अनुसार जिला, विकास खंड और गांव स्तर पर पंचायतों का गठन हुआ। इस व्यवस्था में ग्राम सभा की भूमिका पर ध्यान नहीं दिया गया। इस समिति की यह मान्यता थी कि गांव समाज अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से ही अपने अधिकार का प्रयोग कर सकता है। इसके लिए फिर से 1978 में अशोक मेहता समिति का गठन किया गया। इस समिति के समक्ष भारत सरकार की ओर से गृह मंत्रालय के तत्कालीन संयुक्त सचिव डॉक्टर ब्रह्म देव शर्मा ने आदिवासी क्षेत्रों के लिए ग्राम सभा के रूप में गांव समाज को अपनी पूरी व्यवस्था करने के लिए अधिकार देने का प्रस्ताव किया। परन्तु समिति ने उस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। उसके अनुसार ग्राम सभा को कुछ जिम्मेदारियां दी जा सकती है, अधिकार नहीं। ग्राम सभा पंचायत राज व्यवस्था की आधारशिला होना चाहिए। इसके बिना प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण तो अर्थहीन रहेगा ही वरन् स्वयं लोकतंत्र कमजोर होकर टूट सकता है। अनुसूचित क्षेत्रों के लिए सामान्य पंचायत व्यवस्था असंगत था। संविधान में पंचायत राज के लिए विशेष व्यवस्था करने के लिए 1988 में राजीव गांधी के नेतृत्व में संविधान संशोधन प्रस्तावित हुआ। इस विधेयक में अनुसूचित क्षेत्रों को पंचायत राज की सामान्य व्यवस्था से बाहर रखा गया था। उसमें संबंधित राज्यपालों से उम्मीद की गई थी कि वे अपने - अपने राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों के लिए विशेष व्यवस्था करेंगे। परन्तु इस विधेयक को संसद की मंजूरी नहीं मिल पाई। 1990 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के

आयुक्त डॉक्टर ब्रह्म देव शर्मा ने राष्ट्रपति को 29 वीं रिपोर्ट दिया। इस रिपोर्ट को संसद में बहस के लिए भी रखा गया परन्तु रिपोर्ट पर चर्चा नहीं कराया गया। संविधान के अनुच्छेद 338 के तहत आयुक्त ने राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट में अन्य बातों के अलावा अंग्रेजी राज्य की उस कानून व्यवस्था को संविधान की भावना और नैसर्गिक न्याय के खिलाफ बताया, जिसके कारण वो वह जन्मजात अपराधी हो गया और उसके ज़िंदगी के बुनियादी अधिकार की कदम - कदम पर अवमानना होती रही है। इसमें सिफारिश की गई कि कम से कम आदिवासी इलाकों में पूरी तरह स्वशासी व्यवस्था की जाए जिसमें स्थानीय समाज को अपना जीवन चलाने और पूरे संसाधनों के रखरखाव और उपयोग का असंदिग्ध रूप से पूरा अधिकार हो। यही गांव गणराज्य का सार तत्व है। 1993 में पंचायत व्यवस्था की स्थापना के लिए भारत के संविधान में 73 वां संशोधन कर भाग 9 को जोड़ा गया। इस संशोधन के अनुसार संविधान में 'ग्राम सभा' की प्रतिष्ठा तो हुई परन्तु उसके कर्तव्य और शक्तियों को राज्य विधान मंडलों द्वारा तय करने के लिए छोड़ दिया गया। अनुच्छेद 243 (ड) उपभाग (1) के तहत अनुसूचित क्षेत्रों को इस व्यवस्था से अलग रखा गया। परन्तु उसी अनुच्छेद के उपभाग (4) में संसद को यह अधिकार सौंपा गया कि उस भाग के प्रावधानों में जरूरी फेरबदल कर अनुसूचित क्षेत्रों को लागू कर सकता है। यह देश का पहला कानून है जो आदिवासी इलाकों में नेमी तौर पर सीधे लागू नहीं हुआ। अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा कानून की धारा 4(घ) के तहत ग्राम सरकार एवं स्वशासी जिला सरकार का गठन करते हुए विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के अधिकार उन्हें हस्तांतरित किया जायेगा तथा संविधान के अनुच्छेद 243 (छ), 243 (ज) एवं 275(1) के अंतर्गत उन्हें समस्त निधि के प्रशासनिक और वित्तीय नियंत्रण हेतु सक्षम बनाया जाय ताकि स्वायत्त शासन की संवैधानिक भावना चरितार्थ हो। परन्तु राज्य की सत्ता पूर्ण नियंत्रण चाहती है। गांधी के गांव गणराज्य का सपना केवल ग्राम पंचायतों के चुनाव कराने से पूरा नहीं हो सकता। इसके लिए सत्ता, संसाधन और निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति गांव समाज तक पहुंचानी होगी। ग्राम सभा को केवल योजनाओं पर चर्चा करने वाली संस्था के बजाय स्थानीय शासन की मूल इकाई के रूप में स्थापित करना होगा। विशेष रूप से अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा की मूल



भावना के अनुरूप ग्राम सभा को भूमि, जंगल, जल, खनिज, लघु वनोपज और स्थानीय संसाधनों से जुड़े निर्णयों में वास्तविक अधिकार देना आवश्यक है। विकास की कोई भी योजना स्थानीय समुदाय की सहमति, भागीदारी और सामाजिक-पर्यावरणीय प्रभावों की पारदर्शी समीक्षा के बिना आगे नहीं बढ़नी चाहिए। भविष्य की दिशा यह भी होनी चाहिए कि ग्राम सभाओं को उनके अधिकारों के साथ पर्याप्त वित्तीय संसाधन और प्रशासनिक क्षमता मिले। केवल अधिकारों की घोषणा पर्याप्त नहीं है। ग्राम सभा के निर्णयों को लागू करने के लिए वित्त, कर्मचारी और संस्थागत व्यवस्था भी उसी के अनुरूप विकसित करनी होगी। राज्य सरकारों को पेसा कानून के अनुरूप अपने कानूनों और नियमों की समीक्षा करनी चाहिए। जहां राज्य के कानून और ग्राम सभा के अधिकारों के बीच टकराव है, वहां ग्राम स्वशासन की संवैधानिक भावना को प्राथमिकता देने की जरूरत है। ग्राम सभा के निर्णयों में प्रशासनिक हस्तक्षेप कम करने के साथ-साथ उसके निर्णयों की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था भी विकसित की जानी चाहिए। साथ ही, ग्राम सभाओं को केवल ग्राम सभाओं के क्रियान्वयन तक सीमित रखने के बजाय स्थानीय विकास की प्राथमिकताएं तय करने का अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, कृषि, वन संरक्षण और आजीविका से जुड़े स्थानीय

कार्यक्रमों की योजना गांव समाज की जरूरतों के आधार पर बनाई जाए। इससे विकास ऊपर से थोपे जाने वाली प्रक्रिया के बजाय नीचे से ऊपर की ओर जाने वाली प्रक्रिया बन सकेगा। इसके लिए जरूरी है कि ग्राम सभा के अधिकारों के बारे में ग्रामीणों में व्यापक जागरूकता हो। आदिवासी समाज की पारंपरिक संस्थाओं, रीति-रिवाजों और सामुदायिक निर्णय प्रक्रिया को लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के साथ जोड़ा जाए। तभी पंचायती राज व्यवस्था और आदिवासी स्वशासन के बीच वास्तविक संबंध स्थापित हो सकेगा। आजादी के लगभग आठ दशक बाद भी गांधी का गांव गणराज्य पूरी तरह साकार नहीं हो पाया है। संविधान ने पंचायतों को स्थान दिया, 73वें संशोधन ने ग्राम सभा को संवैधानिक पहचान दी और अनुसूचित क्षेत्रों के लिए पेसा कानून बनाया, लेकिन कानून और जमीन पर उसकी वास्तविक शक्ति के बीच अभी भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। गांधी के सपने का भारत ऐसा भारत था जिसमें गांव अपने जीवन, संसाधनों और विकास से जुड़े फैसले स्वयं लेने में सक्षम हों। इसका अर्थ कि ग्राम सभाओं को उनकी समीक्षा करनी होगी। राज्य की भूमिका समाप्त करना नहीं, बल्कि राज्य की भूमिका को ऐसी व्यवस्था में बदलना है जिसमें स्थानीय समाज की स्वायत्तता और संवैधानिक अधिकार सुरक्षित रहें। यदि ग्राम सभा को अधिकार देने के बजाय केवल जिम्मेदारियां दी जाती रहेंगी, यदि संसाधनों पर निर्णय लेने की शक्ति ऊपर के स्तर पर केंद्रित रहेगी और यदि विकास के नाम पर स्थानीय समाज की सहमति को औपचारिकता बना दिया जाएगा, तो गांव गणराज्य का सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए गांधी के सपने को पूरा करने की अगली लड़ाई केवल पंचायत चुनावों की नहीं, बल्कि ग्राम सभा को वास्तविक सत्ता, संसाधन और निर्णय का अधिकार देने की लड़ाई है। लोकतंत्र की मजबूती का रास्ता संसद और विधानसभाओं से होकर गांव तक आता है, लेकिन उसकी वास्तविक बुनियाद गांव के लोगों की सामूहिक निर्णय शक्ति में ही है। गांव को केवल प्रशासन की अंतिम इकाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पहली इकाई बनाना ही गांधी के गांव गणराज्य की दिशा में अगला कदम होगा।

लेखक



राज कुमार सिन्हा
बरनी बांध विस्थापित
एवं प्रभावित संघ

लाल बहादुर शास्त्री : श्रम, धीरज और देशप्रेम ही जिनकी पूंजी थी..

हमारे देश ने एक से बढ़कर एक राजा, संत और देशसेवक देखे हैं। स्वतंत्र भारत के ऐसे ही एक सेवक थे लाल बहादुर शास्त्री, जिन्हें देश का 'लाल' कहा गया। देश के प्रधानमंत्री के रूप में वे केवल 18 महीने काम कर सके। 9 जून 1964 को उन्होंने पदभार संभाला, तब देश दोहरे संकट से गुजर रहा था - भीतर अन्न संकट और सीमा पर पाकिस्तान के हमले। तब उन्होंने कहा था, "कठिनाइयां हमारे सामने हैं, इनसे भागना कायरता होगी। मैं देश का कार्यभार एक सिपाही की तरह संभालूंगा।" उनका यही भाव अंत तक रहा।

शास्त्री जी का जन्म 2 अक्टूबर 1904 को मुगलसराय में हुआ था। पिता शारदा प्रसाद श्रीवास्तव साधारण कायस्थ परिवार के शिक्षक थे, बाद में राजस्व विभाग में लिपिक रहे। परिवार संपन्न नहीं था, पर संस्कार और सादगी में धनी था।

गरीबी में ही उनका बचपन बीता। कहा जाता है कि गांव आते-जाते समय गंगा पार करने के लिए कई बार पैसे न होने पर वे तैरकर नदी पार कर लेते थे। जो गरीबी में तपता है, वही खरा सोना बनता है, शास्त्री जी इसका प्रमाण थे।

पढ़ाई के बाद उन्होंने काशी में अध्यापन किया। रोज छह-सात मील पैदल चलकर कॉलेज जाना उनके परिश्रम का प्रमाण था। यहीं से वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े और कई बार जेल गए। 1927 में ललित जी से उनका विवाह हुआ। ललित जी धर्मपरायण महिला थीं और दहेज में चरखा और खादी का कपड़ा लाई थीं।

शास्त्री जी का अधिकांश राजनीतिक जीवन इलाहाबाद में बीता। पंडित जवाहरलाल नेहरू और मोतीलाल नेहरू के सान्निध्य में उन्होंने जिला कांग्रेस के महासचिव के रूप में 1930 से 1936 तक काम किया। एक साधारण कार्यकर्ता से चलकर प्रधानमंत्री के सर्वोच्च पद तक पहुंचना उनकी साधना का परिणाम था। किसी व्यक्ति की ऊंचाई इस बात से नहीं आंकी जाती कि वह कितना ऊंचा है, बल्कि इस बात से कि वह कहाँ से चला और कहाँ तक पहुंचा।



शारीरिक कद में छोटे शास्त्री जी का राजनीतिक कद बहुत ऊंचा था। वे सहज, सरल, मिलनसार और निराभिमानी थे। प्रधानमंत्री रहते हुए जब अन्न संकट आया तो भारत को अमेरिका से गेहूं मंगाना पड़ा। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया, जो आज भी देश का संबल है।

पाकिस्तान ने जब युद्ध थोपा तो शास्त्री जी ने दृढ़ नेतृत्व दिया। युद्ध में भारत बढ़त पर था, पर अंतरराष्ट्रीय दबाव में ताश्कंद समझौता करना पड़ा। 10 जनवरी 1966 को समझौते पर हस्ताक्षर के कुछ घंटे बाद, 11 जनवरी 1966 को तड़के ताश्कंद में ही उनका निधन हो गया।

शास्त्री जी के पास न अपना घर था, न जमीन-जायदाद। प्रधानमंत्री बनने पर भी वे उसी बंगले में रहे जो सांसद के रूप में मिला था। उनका निजी कमरा 12×18 फीट का साधारण कमरा था, जिसमें एक तख्त, खादी की चादर, एक तिपाई, गांधी जी की तस्वीर और रिरुपति बालाजी की मूर्ति थी।

एक बार दौरे से लौटने पर बेटी ने कमरे में एयर कंडीशनर लगवा दिया था, तो वे नाराज हुए और उसे तुरंत हटवा दिया। उनका कहना था कि जब करोड़ों देशवासियों के पास सिर छिपाने को घर और पेट भरने को अन्न नहीं, तो प्रधानमंत्री को यह सुख कैसे शोभा देता है।

अन्न संकट के दिनों में उन्होंने स्वयं सोमवार को उपवास किया और देश से भी अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री निवास में खुद हल चलाकर गेहूं बोया और नागरिकों को अन्न बचाने की प्रेरणा दी। सादा जीवन, श्रम, धीरज और देशप्रेम ही उनकी पूंजी थी। इसीलिए वे आज भी अमर हैं।

अंजनी सक्सेना विभूति फीचर्स

दिल और दिमाग की खींचातानी

दिल और दिमाग की खींचातानी भी बड़ी अजीब-सी है, ऐ खुदा, वर्यो दिल को भावनाओं से घिरा रखा है तूने, वर्यो दिमाग को इतना व्यावहारिक बनाया है तूने।

वर्यो भावनाओं के बाज़ार में
इंसान को एक कटपुतली बनाया है तूने,

व्यावहारिक बनकर
सपनों के उस पार गई हूँ,
पर सपनों के लिए दिल को
ही तो सीढ़ी बनाया है तूने।

वर्यो दिल ने उसे ही पाना चाहा,
जो दिमाग की सोच
में कभी आसान नहीं था।

दिल और दिमाग की इस दौड़ में,
हर-जीत के खेल में
हर बार इंसान को ही वर्यो उलझान
में डाला है तूने?

इस खेल को वर्यो इतना
उलझनों में फँसाया है तूने,
वर्यो उलझनों में फँसाया है तूने..

लेखिका



टीचर सुशमादेवी
रहांगडाले कटरे,
आमगांव

स्वच्छता..

चलो हम आज स्वच्छता की,
महत्ता सबको बताएं।
ये पुनीत काज हाथों लेकर,
जन-जन को जगाएं।।
ऐसे मन में बसाएं।
स्वच्छता का पाठ पढ़ाएं।।
चलो हम आज..

स्वच्छता में ही रहकर हम,
स्वस्थ अपना तन बनाएं।
और स्वस्थ तन में ही हम,
स्वस्थ मस्तिष्क सजाएं।।
ऐसा मन बनाएं
भूला कमी ना पाएं।।
चलो हम आज..

परितः स्वच्छ है रखें हम,
सीखें दूसरों को सिखाएं।
स्वच्छता ही बचाव है,
हम सबको बताएं।।
ऐसी करनी कर जाएंगे।
जग में नाम कमाएं।।

चलो हम आज..
स्वच्छता जान पर्यावरण की,
इसके घटकों को संभालेंगे।
और रोपकर पौधे हम,
प्राण संजीवनी बहाएंगे।।
आओ पर्यावरण बचाएंगे,
यह जागृति हम फैलाएंगे।
चलो हम आज...

लेखक



प्रकृति अनुरागी
बी उपवंशी (शिक्षक)
शा उ मा वि चन्दना
बालाघाट

शब्दवर्गपहेली क्र.- 288

1	2	3	4	5	6	7	8		9	10	11	12
13					14	15			16	17		19
20		21	22	23		24			25		26	27
28				29		30			31		32	
		33	34		35		36		37		38	39
40	41		42	43		44			45	46		48
	50	51			52		53	54		55	56	57
58				59		60			61		62	63
65	66		67		68			69		70		72
73				74			75		76		77	78
	79	80		81		82		83		84	85	
88			89		90		91			92		93
		94		95		96			97		98	
101	102		103					104		105		106
107		108				109		110		111		112
	113				114				115		116	
												117

बायें से दायें :- 1) अपना स्वार्थ सिद्ध करना (मुहावरा) 7) गुजारा होना, निभा जाना, पूरा होना 10) जिसपर पेन या पेन्सिल से लिखा जाता है 13) तरल 14) पन्द्रह दिन की अवधि 16) संग्रह, संवय 19) लोग 20) एक देश जिसकी राजधानी ओटावा है 22) सर्व धर्म समभाव का पालन करनेवाला देश 24) दया 25) जो खुला न हो 26) नमस्कार का शब्द 28) हमारा दक्षिण की ओर का एक रास 29) प्रत्येक 30) मृत्यु 31) इतस्ततः 33) चिट्ठी, पत्र आदि 35) मदिरा पिलानेवाला या पिलानेवाली 36) गरजन की क्रिया, गरज 37) बुद्धि 38) सारी जिम्मेदारी, उद्धार, कार्य का भार 40) पहनने के कपड़ों में लगी छोटी धैली 42) बड़े शरीरवाला 45) एक अभिनेता जिसकी सदमा व अप्सुराजा फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी थी 48) मुसलमानों की प्रार्थना 50) बादशाह, राजा 52) क्रोध से चेहरा लाल होना 55) सच 56) स्वस्थ 59) मूल्य 60) विष्णु का एक अवतार 61) शरम 62)

विजय 64) राजपूतों की मर्यादा 65) वफादार 68) बोझ या तनाव का कम होना (मुहावरा) 70) रविवार 72) अशुद्ध 73) सहित 75) जल बहने का छोटा मार्ग 77) बागवान 78) हमेशा 79) वचन 81) धूम्रपान, दमक दमक 83) शरीर पर उगनेवाला मांस का छोटा दाना 84) किसी के लिये की गई अभिनेंदन सूचक ध्वनि 88) होशंगाबाद व जबलपुर में बहनेवाला एक प्रसिद्ध नदी 90) किसी काम को करने के लिये प्रयत्न करना (मुहावरा) 92) बिहार का एक प्रमुख राजनैतिक पक्ष 94) आंख 96) करामात 97) माधुरी दीक्षित की फिल्म साजन को संगीत का साज बढ़ानेवाली संगीतकार जोड़ी 99) वास करना 101) सूर्य 103) पहरेदारी 104) दोस्त 105) किरती 106) इनकार करना 107) पुत्र 110) एक देश जिसकी राजधानी बरुत है 112) जहाज को टिकाने के लिये लगाने जानेवाला उपकरण 113) एक साहित्यिक अलंकार 114) मध्य प्रदेश की वह पहाड़ी जो

नर्मदा नदी का उगमस्थल है 115) डर 116) किस्म 117 पर्यटन स्थल ऊटकमंड का शिक्षापी रुप ऊपर से नीचे :- 1) सबसे अधिक बार मंचन का रिकार्डवाला एक प्रसिद्ध हिन्दी नाटक 2) आचार्य विनोबा भावेजी का आश्रम महाराष्ट्र के वर्धा जिले में यहां है 3) एक भाषा 4) पानी की बूंद, राजस्थान का एक शहर 5) शरीर 6) माप 7) छुटकारा, समस्या का हल 8) मन में छिपा हुआ असंतोष या क्रोध 9) क्रीड़ा 11) फूलों की बड़ी माला 12) लोगों का मत 15) जोखिम भरा 16) वास्ता 17) कदर करनेवाला 18) पापी मनुष्य 21) घी बनानेवाली एक प्रसिद्ध पुरानी कंपनी 22) मस्तक, माथा 23) न्यायिक या विधिक जांच पड़ताल 27) पुरुषत्व, पुरुषार्थ 30) रोग 31) प्राचीन घटनाओं से संबंधित एक शैक्षणिक विषय 32) हृदय 34) काव्य 35) वर्ष 37) गंदगी 39) लक्ष्मी 41) पश्चिम बंगाल के एक भूतपूर्व मुख्यमंत्री का कुलनाम 43) भव्य, 44) गैँसा 46) दबाना 47) प्रसिद्ध बंगाली फिल्म पाथेर पंचाली के सुप्रसिद्ध निर्देशक 49) जमानत देनेवाला 51) विवाह का मुहूर्त 53) हमारा राष्ट्रीय फूल 54) गुरु नानक का जन्म स्थान तलवंडी अब इस नाम से जाना जाता है 57) क्रोध 58) धनवान 63) रोटी सेंकने का लोह का गोल पात्र 64) आलस्य 66) प्रतिमास, मासिक 67) गुलामी 69) हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध त्यौहार 71) विष्णु 74) अकेला 76) तपेदिक 80) आंचल 82) एक प्रसिद्ध भारतीय नृत्य 83) बार, दफा 84) अन्तःपुर 85) जन्म देना 86) कच्छप (मराठी) 87) अनावश्यक 88) घृणा 89) निर्णय या विचार के लिये न्यायालय में प्रस्तुत किया गया (मुकदमा) 91) वरण 93) तरंग 95) चोबला, हावभाव, नाज - अदा 98) अन्ध मातापिता को कावड़ में बिठाकर तीर्थयात्रा करानेवाले पुत्र का नाम 100) मुंबई शहर का एक प्रसिद्ध अस्पताल 102) नम्रता 104) पाठ, नसीहत 106) बड़ा शहर 108) मृत्यु देवता 109) पानी 110) विलंब (अंग्रेजी) 111) आकाश 112) रावण की राजधानी

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

अ	पा	हि	ज	गं	दा	च	आ	म	ने	सा	म	ने	सं	बं	धि	त
ह	र	ता	ल	क्ष	जा	म	न	ग	र	र	सि	क	ता	द	लां	
म	र्थ	चो	अ	प	च	ब	त	ला	ना	नी	द्वा	र		क		
दा	ब	म	र	ह	म	म	ह	बू	बा	थ	य	दि	बां	दा		
बा	द	शा	ह	म	ल	य	क	ला	प	पा	त	प	ट	स	न	
द	मा	क	म	ला	ने	ह	रु	हो	श	ह	वा	स	क	र	ता	जा
श	र	मा	ना	र	प	ट	ना	ल	बा	द	वि	वा	द	क		
	ज	क	ष्ट	अ	वा	क	वा	म	न	ता	ना	सु	त			
र	ज	नी	च	र	दा	म	न	म	द	न	बा	अ	धा			
म	श	ह	ना	ई	न	स	हा	रा	त	ह	की	का	त	क	र	ना
ता	व	च	द	या	हु	भा	र	वा	ह	क	र्यं	ग	टा			
रा	म	क	हा	नी	मि	ल	न	सा	र	मा	ल	दा	र	ग	णि	का
म	न	मा	ना	पा	नी	दा	र	त	ना	का	र	ब	द	त	मी	ज
	न	न	न	रु	व	ह	म	घ	रा	ग						
या	दा	र	म	दा	र	सं	त	री	र	च	ना	म	द	द	गा	र
स	मी	र	त	न	सा	र	बा	त	ब	ना	ना	मं	द	गा	ल	व



खाद्य आपूर्ति को ‘हथियार’ की तरह इस्तेमाल करने और वैध उपायों में अंतर करना जरूरी: गोयल

वाशिंगटन, (भाषा)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का ‘हथियार’ की तरह इस्तेमाल करने और देशों की तरफ से खाद्य सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले वैध कदमों के बीच स्पष्ट अंतर करने की जरूरत पर बल दिया है। गोयल ने वाशिंगटन से करीब 1,200 किलोमीटर दूर स्थित मिलवॉकी में जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में कहा कि साझा लक्ष्य यह होना चाहिए कि भोजन सुरक्षा, स्थिरता और सहयोग का स्रोत बना रहे।

उन्होंने कहा कि सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसानों के लिए अधिक अवसर पैदा करना भारत की नीति के केंद्र में है। भोजन का इस्तेमाल किसी भी देश पर दबाव बनाने के साधन के रूप में नहीं किया जाना चाहिए।

गोयल ने कहा कि वैश्विक संघर्षों से पैदा हुए खाद्य, ईंधन और ऊर्जा संकट का सबसे अधिक असर वैश्विक दक्षिण के देशों पर पड़ा है। उन्होंने कहा, “आज ऊर्जा की कमी आगे चलकर खाद्य संकट का कारण बन सकती है।” गोयल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, “हमें खाद्य आपूर्ति श्रृंखला का इस्तेमाल



‘हथियार’ की तरह करने और घरेलू नीतिगत उद्देश्यों को पूरा करने तथा खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए देशों द्वारा उठाए जाने वाले वैध कदमों के बीच स्पष्ट अंतर करना चाहिए।”

उन्होंने कहा कि भारत सार्वजनिक भंडार रखता है, छोटे एवं सीमांत किसानों से खरीद करता है और फसल की कमी होने पर खाद्य पदार्थों की उपलब्धता तथा उचित कीमत सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी और पारदर्शी कदम उठाता है।

गोयल ने कहा कि इन उपायों को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के तहत मान्यता हासिल है, जिसमें बाली मंत्रिस्तरीय निर्णय और जिनेवा मंत्रिस्तरीय घोषणा शामिल हैं।

भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के बयान के मुताबिक, बैठक में शामिल मंत्रियों ने ‘जबरन व्यापार उपायों के जरिये भोजन के हथियार की

तरह इस्तेमाल’ पर जी20 बयान के मसौदे पर सहमति जताई और इस मुद्दे पर सहयोग जारी रखने की इच्छा व्यक्त की।

इसके पहले, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमीसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका की जी20 अध्यक्षता के दौरान चार मुद्दों पर ध्यान दिया गया है। इनमें खाद्य का हथियार की तरह इस्तेमाल, संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता एवं उत्पादन, सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में जबरन श्रम शामिल हैं।

ग्रीर ने कहा कि खाद्य, कृषि उत्पादों और कृषि इनपुट से जुड़े दबाव बनाने वाले व्यापार उपायों के अर्थव्यवस्थाओं और लोगों पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब गैर-बाजार नीतियों और तरीकों से घरेलू मांग से कहीं अधिक उत्पादन होता है, तो अतिरिक्त उत्पादन वैश्विक बाजारों में पहुंचकर दूसरे देशों के उत्पादकों और श्रमिकों पर दबाव डाल सकता है।

उन्होंने एमएफएन सिद्धांत और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में जबरन श्रम से जुड़े मुद्दों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जबरन श्रम एक मानवीय मुद्दा होने के साथ व्यापार से जुड़ा मसला भी है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए मजबूत नियमन, बाजार आधारित सुधारों की जरूरत: नीति सदस्य गौबा

नई दिल्ली, (भाषा)।

नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को समर्थन देने के लिए मजबूत नियमन, बाजार आधारित सुधारों तथा संस्थागत क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

गौबा ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र तेजी से जटिल होते वैश्विक माहौल में काम कर रहा है। इस माहौल में वैश्विक तनाव, आपूर्ति में व्यवधान और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े बढ़ते जोखिम मौजूद हैं।

उन्होंने भारत की नियामकीय यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के समय यह क्षेत्र औपनिवेशिक दौर के कानून और विदेशी स्वामित्व से लेकर दशकों तक सरकारी नियंत्रण तथा नियंत्रित मूल्य व्यवस्था के दौर से गुजरा। इसके बाद 1990 के दशक से शुरू हुए उदारीकरण ने 40 साल पुरानी नामांकन आधारित एकाधिकार और नियंत्रित मूल्य व्यवस्था को समाप्त किया।

गौबा ने कहा कि 2006 में पीएनजीआरबी की स्थापना निष्पक्ष प्रतियोगिता सुनिश्चित करने, निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और उपभोक्ताओं के

हितों की रक्षा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संस्थागत कदम था।

उन्होंने प्राकृतिक गैस पाइपलाइन तैयार करने के लिए नियामकीय रूपरेखा तैयार करने में पीएनजीआरबी के योगदान का उल्लेख किया।

गौबा ने कहा कि नियामकीय कार्य अक्सर दिखाई नहीं देता, लेकिन भरोसेमंद बाजार बनाने, निवेशकों का भरोसा बढ़ाने और जनता का विश्वास मजबूत करने के लिए यह बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए घरेलू ऊर्जा क्षमता में विविधता लाना और उसका विस्तार करना देश की दीर्घकालिक रणनीति के महत्वपूर्ण हिस्से हैं।

गौबा ने कहा कि शहरीकरण, औद्योगीकरण और जीवन स्तर में सुधार के साथ ऊर्जा की मांग में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। ऐसे में खासकर सीमांत और गहरे समुद्री क्षेत्रों में घरेलू स्तर पर तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन में तेजी लाने की जरूरत है। इसके लिए प्रौद्योगिकी, निजी निवेश और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की क्षमताओं का उपयोग किया जाना चाहिए।

उन्होंने भारत को गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के महत्व का भी जिक्र किया। गौबा ने कहा कि इसके



लिए प्राकृतिक गैस की पूरी मूल्य श्रृंखला को एकीकृत, दक्ष और आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाना होगा। इसमें राष्ट्रीय गैस ग्रिड को मजबूत करना, पाइपलाइन और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टर्मिनल का बेहतर उपयोग तथा शहर गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार शामिल है।

उन्होंने कहा कि नियामकीय सुधारों के तहत अनावश्यक अड़चनों को दूर करने का काम जारी रखना चाहिए और नियामकीय रूपरेखा को हाइड्रोजन, सिनगैस तथा कार्बन डाइऑक्साइड पाइपलाइन जैसे उभरते क्षेत्रों के अनुरूप बनाना चाहिए।

गौबा ने पीएनजीआरबी की भविष्य की भूमिका पर कहा कि तकनीकी बदलाव और नए कारोबारी मॉडल के साथ नियमन को भी विकसित होना चाहिए, जबकि सुरक्षा और उपभोक्ता संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने नियामकीय व्यवस्था में निश्चितता, कारोबार में सुगमता और निरंतर सुधार को बोर्ड के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक सिद्धांत बताया। गौबा ने कहा कि नियामक की स्वतंत्रता के साथ पारदर्शिता, तर्कसंगत निर्णय और जवाबदेही भी जरूरी है। नियामकों की जिम्मेदारी है कि वे व्यापक राष्ट्रीय नीतिगत उद्देश्यों के अनुरूप रहते हुए स्वतंत्र रूप से काम करें।

महंगाई की चिंता के बीच जून तिमाही में शहरी परिवारों ने एफएमसीजी खर्च घटाया: रिपोर्ट..

नयी दिल्ली, (भाषा)।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले एफएमसीजी उत्पादों पर शहरी परिवारों के खर्च में कमी आई। ईंधन और खाद्य वस्तुओं की कीमतों से जुड़ी चिंता के बीच लोगों ने गैर-जरूरी चीजों की खरीदारी कम कर दी। वल्टैपैन्ल (पूर्व में कंतार) की चौथा वार्षिक ‘खर्चों’ रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में शहरी परिवारों का तिमाही खर्च सालाना आधार पर चार प्रतिशत घट गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

इस अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि समृद्ध और कम समृद्ध शहरी परिवारों के खर्च में चार प्रतिशत की कमी आई। समृद्ध शहरी परिवारों का औसत तिमाही खर्च 81,759 रुपये रहा जबकि कम समृद्ध शहरी परिवारों का खर्च 49,832 रुपये रहा। इसके विपरीत, ग्रामीण परिवारों का खर्च 15 प्रतिशत बढ़कर 53,760 रुपये प्रति तिमाही हो गया।

जून तिमाही में परिवारों का औसत खर्च 13 प्रतिशत बढ़कर 59,857 रुपये हो गया। इस साल खर्च में पूरी वृद्धि ग्रामीण परिवारों की तरफ से की गई, जबकि शहरी परिवारों का खर्च घट गया।



घरेलू बजट में किराने के सामान का हिस्सा पिछले साल के 23.5 प्रतिशत से घटकर 22 प्रतिशत रह गया। वहीं, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का हिस्सा करीब छह प्रतिशत हो गया जो पहले दो प्रतिशत से कम था। रिपोर्ट ने इसका एक कारण जीएसटी ढांचे में अनुकूल बदलाव को बताया। करीब 6,000 शहरी और ग्रामीण परिवारों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2025 में थोड़ा सुधरने के बाद आर्थिक स्थिति को लेकर लोगों की धारणा फिर कमजोर हुई है। करीब 56 प्रतिशत लोगों ने कहा कि स्थिति मुश्किल है, लेकिन संभाली जा सकती है, जबकि 16 प्रतिशत ने कहा कि उन पर कोई असर नहीं पड़ा है। अगले तीन महीनों में अपनी स्थिति और खराब होने की आशंका जताने वालों का अनुपात दिसंबर के नौ प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया।

रिपोर्ट कहती है, “86 प्रतिशत खरीदारों ने कहा कि वे किराना खरीदते समय केवल जरूरी सामान लेते हैं, जबकि 74 प्रतिशत ने बजट के भीतर खरीदारी करने की बात कही। एक साल पहले यह आंकड़ा 69 प्रतिशत था।”

अध्ययन में कहा गया कि ईंधन और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी खरीदारों की प्रमुख चिंताओं में शामिल रहा। करीब 59 प्रतिशत परिवारों ने ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव को सबसे बड़ी वैश्विक चिंता बताया।

करीब 64 प्रतिशत लोगों ने कहा कि इन परिस्थितियों ने उनकी खरीदारी या खर्च करने की आदत बदली है, जबकि 48 प्रतिशत ने गैर-जरूरी खरीदारी कम कर दी।

‘खर्चों’ रिपोर्ट का चौथा संस्करण अप्रैल महीने में किए गए अध्ययन पर आधारित है। इसमें घर में एफएमसीजी खरीदारी से संबंधित निर्णय लेने वाली गृहिणियों से प्रतिक्रिया ली गई।

अध्ययन में परिवारों के खर्च, खरीदारी के व्यवहार में बदलाव, उसके कारणों, मौजूदा धारणा और भविष्य की उम्मीदों को शामिल किया गया। इस बार एलपीजी संकट और पश्चिम एशिया युद्ध के असर पर भी एक अलग खंड जोड़ा गया।

हिमाचल में इस साल अबतक सेब का उत्पादन 48 प्रतिशत घटा

शिमला, (भाषा)।

हिमाचल प्रदेश में इस साल अबतक सेब का उत्पादन 48 प्रतिशत घट गया है। जलवायु परिवर्तन, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी से सेब की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। राज्य के



बागवानी निदेशक सतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले साल 2.18 करोड़ सेब के बॉक्स बाजार में आए थे, जबकि इस साल अबतक 1.15 करोड़ बॉक्स ही पहुंचे हैं, जो लगभग 48 प्रतिशत की कमी है।

उन्होंने कहा कि इस साल हिमाचल में सेब का उत्पादन पिछले 10-12 साल में सबसे निचले स्तर पर रहने की आशंका है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन, बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी ने सेब की फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। लगभग 5,000 करोड़ रुपये की सेब की अर्थव्यवस्था हिमाचल प्रदेश में

बागवानी क्षेत्र की रीढ़ है और राज्य में लगभग 2.5 लाख परिवार इसकी खेती से जुड़े हैं।

सेब का मौसम 15 जून से अक्टूबर के अंत तक चलता है। हालांकि, शुरुआती किस्में जून के अंत में बाजार में आने लगती हैं, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों और आदिवासी क्षेत्रों से सेब अक्टूबर के अंत तक आता रहता है। उत्पादन में गिरावट का असर किसानों और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दोनों पर पड़ेगा।

बागवानी विभाग के अनुसार, इस साल सेब का कुल उत्पादन केवल 1.5 करोड़ बक्से रहने का अनुमान है। पिछले साल सेब का उत्पादन सात लाख टन था, लेकिन इस साल इसके घटकर 3.5 लाख से 3.75 लाख टन के बीच

रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि बागवानी के पुराने तरीके अब काफी नहीं होंगे। पुराने बागानों में पैदावार लगातार घट रही है, और विभाग अब घनी बागवानी को बढ़ावा दे रहा है।

करसोग में लगभग 1,00,000 से 1,50,000 अधिक घनत्व वाले पौधे तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें अलग-अलग ऊंचाई वाले इलाकों में लगाया जाएगा। बागवानों को अनुसर, इस साल शिमला के ऊपरी इलाकों में फसल बहुत खराब रही। राज्य सरकार बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि इस बार उत्पादन काफी कम है और यह बताना मुश्किल है कि सत्र के आखिर तक कुल उत्पादन दो करोड़ बॉक्स तक पहुंच पाएगा या नहीं। पिछले साल बाजार में लगभग 3.49 करोड़ बॉक्स पहुंचे थे।

नेगी ने आगे कहा कि राज्य सरकार ‘बाजार हस्तक्षेप योजना’ (एमआईएस) के तहत खरीद की कीमतें बढ़ाने जा रही है, और बागवानों को कुछ राहत देने के लिए इस बारे में एक प्रस्ताव मंत्रिमंडल की बैठक में पेश किया जाएगा।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट, सेंसेक्स 571 अंक और टूटा

मुंबई, (भाषा)।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली, बॉण्ड पर ऊंचे प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सेंसेक्स और निफ्टी बृहस्पतिवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,909.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,187.41 अंक तक टूटकर 71,292.88 अंक के नए 52-सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 198.50 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,421.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में भारति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, अदाणी पोर्टर्स, आईटीसी, पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंटर्नल में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं, इमोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त में रहे।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 10,148.41 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। बुधवार तक लगातार पांच कारोबारी सत्रों में एफआईआई 34,203.14 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेच चुके हैं।

वैश्विक तेल मानक बेंट कच्चा तेल 2.77 प्रतिशत बढ़कर 100.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “बाजार में बिकवाली मुख्य रूप से बाहरी कारकों से प्रेरित रही है। बॉण्ड पर प्रतिफल कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है और कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिससे वित्त वर्ष 2026-27 के आर्थिक परिदृश्य को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं।”

बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.96 प्रतिशत और मिडकैप सेलेक्ट 0.71 प्रतिशत के नुकसान में रहा।बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में वाहन क्षेत्र में 3.09 प्रतिशत, धातु में 2.18 प्रतिशत, जिस में 1.90 प्रतिशत, सार्वजनिक सेवाओं में

1.71 प्रतिशत, आवास वित्त क्षेत्र में 1.52 प्रतिशत, एफएमसीजी में 1.51 प्रतिशत और टिकाऊ उपभोक्ता सामान क्षेत्र में 1.35 प्रतिशत की गिरावट रही।

सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, बीमा और अस्पताल क्षेत्र के सूचकांक बढ़त में रहे। मोतीलाल ओसवाल फ़र्नेशियल सर्विसेज लिमिटेड के संपति प्रबंधन शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, “निफ्टी-50 पिछले आठ सप्ताह में 7.9 प्रतिशत गिर चुका है। यह 2020 के बाद से इसकी सबसे लंबी गिरावट का दौर है और सूचकांक छह महीने के निचले स्तर पर आ गया है।” एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉसी और जापान का निक्की बढ़त के साथ बंद हुए।

यूरोपीय बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर गिरावट के साथ बंद



हुए थे। शोध विश्लेषक कंपनी एचएसटी वेल्थ के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरिसैल्वन राधाकृष्णन ने कहा, “अमेरिका में 10 साल के बाण्ड पर ब्याज दर बढ़कर करीब 5.34 प्रतिशत होने से डॉलर में निवेश का आकर्षण बढ़ा है और उभरते बाजारों के शेयरों के मूल्यंकन पर दबाव बढ़ा है।”

उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों ने पिछले कारोबारी सत्र में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं। एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनुमुडी आर ने कहा, “कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अमेरिका में बॉण्ड

सामाहिक आधार पर सेंसेक्स 1,986.04 अंक यानी 2.68 प्रतिशत और निफ्टी 718.55 अंक यानी 3.10 प्रतिशत नीचे आया है।

सेंसेक्स सितंबर में 4,476.98 अंक यानी 5.81 प्रतिशत और निफ्टी 1,459.95 अंक यानी छह प्रतिशत टूट चुका है। ‘गांधी जयंती’ के अवसर पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेगा।

सेंसेक्स बुधवार को 48.78 अंक यानी 0.07 प्रतिशत टूटकर 72,480.29 अंक पर और निफ्टी 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,620.45 अंक पर बंद हुआ था।

उत्कृष्टता एवम् गुणवत्ता के 23 वर्ष...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा

मुख्याध (बवासीर), फिशर मंगंदर व अन्य गुदाराग चिकित्सा व संशोधन केन्द्र

● मुख्याध (बवासीर) ● भगंदर (नासुर)

● फिशर ● कड निकलना व अन्य गुदाराग

। अत्याधुनिक लेजर, हेसल सिलर, धारसुर व आयुर्वेद द्वारा गुदा रोगों की दर्दरहित सफल चिकित्सा

। जटिल भगंदर के इलाज में विशेष प्राविण्यता

डॉ. कमलापती खोन्नगडे

BAMS, M.S. (Ayur) CCKS (Guji)

बवासीर, भगंदर व गुदाराग तज्ञ

मो. 98230 21274, 93098 53003

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गोंदिया

07182-796738

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।

HEROBAJAJHONDATVS

मनीष वर्मा

मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जानवा में आँगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

जगप्रेरणा किरनापुर।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय किरनापुर द्वारा ग्राम जानवा की आंगनवाड़ी केंद्र में आँगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी के नन्हें बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आवश्यक खाद्य सामग्री एवं उपयोगी संसाधन उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन एवं कार्यालय प्रमुख सरिता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन **NSS** प्रभारी साक्षी बंसोड एवं **NSS** के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में डॉ. तीर्थ राम सिन्हा एवं त्रिवेदी सुलाखे उपस्थित रहे।

गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार के प्रति किया जागरूक..

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन ने आंगनवाड़ी में उपस्थित नन्हें बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं से पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर संवाद किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति स्वयं जागरूक रहना चाहिए तथा संतुलित एवं सुपाच्य भोजन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे जीवन की अच्छी शुरुआत अच्छे पोषण से होती है। विशेषकर



पौष्टिक खाद्य सामग्री का किया गया वितरण..

कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालयीन स्टाफ एवं **NSS** विद्यार्थियों ने केवल पोषण संबंधी जागरूकता तक कार्यक्रम को सीमित न रखते हुए आंगनवाड़ी के बच्चों एवं लाभार्थियों के लिए पौष्टिक खाद्य सामग्री का भी वितरण

किया। महाविद्यालय की ओर से संयुक्त रूप से फल, सब्जियाँ, सलाद, अंकुरित अनाज, गुड़, भुना चना तथा मोटे अनाज जैसी पोषक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस पहल का उद्देश्य बच्चों एवं महिलाओं को स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों के महत्व से परिचित कराना तथा संतुलित आहार के प्रति व्यवहारिक जागरूकता विकसित करना था।

बच्चों के संतुलित आहार पर विशेष जोर

साक्षी बंसोड ने कहा कि बच्चों के शरीर और मस्तिष्क का विकास तेजी से होता है, इसलिए उन्हें विविध एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों की थाली में अनाज, दाल अथवा अन्य प्रोटीन स्रोत, हरी एवं मौसमी सब्जियाँ, फल तथा दूध या उसके उपयुक्त विकल्प शामिल किए जा सकते हैं।

उन्होंने अभिभावकों को समझाया कि बच्चों को केवल पेट भरने वाला भोजन नहीं, बल्कि पोषक एवं विविधतापूर्ण भोजन देना आवश्यक है। बच्चों को पर्याप्त पानी पिलाने तथा चिप्स, पैकेज्ड स्नैक्स, मोटे पेय एवं जंक फूड की आदत से दूर रखने पर भी उन्होंने जोर दिया।

पहल आजीविका के वार्षिक आमसभा में की सबके विकास की पहल..

जगप्रेरणा लांजी।

पहल आजीविका संकुल स्तरीय संगठन कारंजा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन हनुमान मंदिर परिसर, कारंजा में किया गया। कार्यक्रम में महिला समूहों एवं संगठन से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभा के दौरान संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों तथा आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारती चूटे, जनपद सदस्य लांजी, द्वारका बॉम्बार्ड, सरपंच ग्राम पंचायत मिरिया, ग्राम पंचायत कुलपा की सरपंच सुनैना नागपूर, ग्राम पंचायत अमेंडा की उपसरपंच पुष्पा दुरुलकर सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के पंच उपस्थित रहे।

कृषि विभाग लांजी से सौरव, ग्राम बापड़ी से पशु सखी अनीता रतने एवं कृषि सखी भूमेश्वरी उमरे ने शासन की विभिन्न योजनाओं तथा जैविक खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। आजीविका मिशन से राजाराम परते एवं सहायक विकासखंड प्रबंधक सुनीता चन्ने उपस्थित रहीं। पहल संकुल स्तरीय संगठन के पदाधिकारियों में अध्यक्ष सरिता



मसकरे, सचिव स्वाति नगपुरे एवं कोषाध्यक्ष भाग्यश्री लिलहारे सहित पूर्व पदाधिकारी पुष्पा बागड़े, सविता नेवारे, तारा बिल्हारे, बैंक सखी अनुसूया बापुरे, रंजना दोनोडे एवं योगिता चूटे उपस्थित रहीं। निर्भया संकुल स्तरीय संगठन से सचिव रानी शोख, कोषाध्यक्ष उमेश्वरी दल्लेमाल, पूर्व अध्यक्ष ममता दानदरे एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। वार्षिक साधारण सभा में आय-व्यय का वाचन लेखापाल तारा पारशी

द्वारा किया गया। सभा में महिलाओं की आजीविका को मजबूत करने, स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा संगठन के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। विकासखंड

प्रबंधक राजाराम परते ने 'लखपति दीदी' योजना, भौतिक सत्यापन एवं ई-केवाईसी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में जानकारी दी। अतिथियों ने महिला समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें निरंतर सक्रियता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं द्वारा प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। वार्षिक साधारण सभा में संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्ययोजनाओं को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। कार्यक्रम में 30 ग्राम संगठनों की लगभग 600 महिलाएं एवं संगठन से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पहल संकुल स्तरीय संगठन की ओर से वैदिका शिवनकर, अर्चना मेंगरे, पंचशीला बुराडे सहित समूह की दीर्घियों का विशेष योगदान रहा।

स. शि. म. में आचार्य सम्मान समारोह शिक्षा में आचार्यों की भूमिका सराहनीय

जगप्रेरणा लांजी।

सरस्वती शिशु मंदिर, लांजी में वरिष्ठ आचार्य लेखराम ठाकरे एवं सदरूलाल बहने के सम्मान में समारोह का आयोजन 30 सितंबर को किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय समिति के अध्यक्ष बालेलाल बड़वैया, सचिव एवं व्यवस्थापक तथा खंड संघ चालक विजय रामटेकर, कोषाध्यक्ष छबिलाल मरटे, सह सचिव श्रीमती दुर्गा रामटेकर, सदस्य टी.डी. लिलहारे एवं प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय समिति के पदाधिकारियों द्वारा दोनों वरिष्ठ आचार्यों का तिलक-वंदन कर



शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं, टी.डी. लिलहारे द्वारा भी दोनों आचार्यों को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए सदरूलाल जी बहने एवं लेखराम ठाकरे ने अपने सेवाकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने विद्यालय में पूरी मेहनत, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया तथा भैया-बहनों में अनुशासन एवं

अच्छे संस्कार विकसित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय के सभी आचार्य परिवार के साथ उनका सदैव मित्रतापूर्ण व्यवहार रहा और उन्होंने विद्यालय के कार्य को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी। छबिलाल मरटे ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों आचार्य ईमानदारी, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते हैं। शिक्षा के प्रति उनकी विशेष रुचि रही है और उनका संपूर्ण

सदैव सरल एवं मधुर रहा है। वे अपने कार्य के प्रति समर्पित भाव से दायित्वों का निर्वहन करते रहे तथा विद्यालय परिवार के साथ सदैव मित्रतापूर्ण व्यवहार रखा। उन्होंने दोनों आचार्यों के दीर्घायु, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्री गोस्वामी ने समारोह में उपस्थित अतिथिगण एवं विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आंगन मिलन सेवा, बच्चों की खेल प्रतियोगिता कर पोषण देवी का हुआ सम्मान..

जगप्रेरणा लांजी।

महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार लांजी के वार्ड क्रमांक 4 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन सेवा' अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, महिलाओं एवं परिवारों को पोषण, शिक्षा और जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ते हुए आंगनवाड़ी केंद्र की गतिविधियों को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद अतिथियों एवं



इनके साथ नंदिनी सेन, अंजली रेंच, राधा खरगल एवं पूर्व पार्षद अफसाना अंसारी सहित अन्य अतिथियों ने सहभागिता की। अभियान के अंतर्गत बच्चों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पोषण देवी का

स्वागत भी किया गया। इसके साथ ही लक्ष्मी संवाद संतोषी खुरे, प्रधानमंत्री संवाद ज्योति भंडारकर तथा मुख्यमंत्री वाचन आशा खोबरागड़े द्वारा किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं अभियान के उद्देश्यों की जानकारी सेक्टर पर्यवेक्षक वसुंधरा घरेडे ने दी। इस दौरान सुनीता बागरे, किश्या यादव, ज्योति भंडारकर, पल्लवी सातपुते, आशा ठाकरे, रोशनी भोंडेकर, जयश्री चन्ने सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनिता अमाडारे, आशा, पुस्तकाला गजभिये, चंद्रकला सखरे, जागेश्वरी श्रीवास एवं बरखा राउत उपस्थित रहीं। यूनिसेफ के

ग्लोबल समन्वयक दीपाकर भागवत सहित अन्य वार्डवासी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सरिता श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं उपस्थित वार्डवासियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

शिक्षा की गुणवत्ता के लिए पालक, शिक्षकों का समन्वय जरूरी..

कौटिल्य में पालक शिक्षकों की हुई बैठक..

लांजी। कौटिल्य एजुकेशन एकेडमी स्कूल, भानेगांव में 30 सितंबर 2026, बुधवार को पालक-शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के संचालक महेन्द्र कुथे द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। बैठक में त्रैमासिक परीक्षा के परिणामों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही विद्यार्थियों की शिक्षा की गुणवत्ता में



पालकों ने भी अपने सुझाव एवं विचार व्यक्त किए। संस्था के संचालक महेन्द्र कुथे ने कहा कि बच्चों की सफलता में विद्यार्थी, पालक और शिक्षक के बीच बेहतर समन्वय एवं सामूहिक प्रयास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि तीनों के आपसी सहयोग एवं निरंतर प्रयासों से ही बच्चों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। संस्था की प्रधानाध्यापिका कु. नेहा भागड़कर ने विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों

एवं प्रगति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ-साथ उनकी अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। बैठक में पालक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों में श्रीमती रेखा भीमटे, महेन्द्र दोनाड़कर, श्रीमती सीमा बिड़लेकर, मुकेश पंचाले एवं श्रीमती मानसी सिलहरे उपस्थित रहे। इसके अलावा संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाओं में श्रीमती रोशनी ठाकरे, कु. पूर्णिमा चौधरी, कु. जागृति अम्मोले, योगिता बेदरे, रीना पंचाले, रोशनी नखाते, उमेश्वर पालेवार एवं सरिता ठाकरे उपस्थित रही। बैठक में पालकों, शिक्षकों एवं संस्था प्रबंधन के बीच विद्यार्थियों की शिक्षा एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने को लेकर सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

सेवा संकल्प अभियान: मेरे सपनों का भारत में तनवी ने पाया जिला स्तर पर प्रथम स्थान

जगप्रेरणा लांजी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी की कक्षा 9वीं अंग्रेजी माध्यम की प्रतिभावान छात्रा तनवी बोपचे ने अपनी प्रभावी वाक्शैली, आत्मविश्वास और विषय की सशक्त अभिव्यक्ति के दम पर जिले में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय और लांजी क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पहुंची तनवी ने 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर अपने विचारों को जिस आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया, उससे निर्णायक मंडल प्रभावित हुआ। जिला स्तर पर अव्वल रहने के बाद अब तनवी प्रदेश स्तर पर अपने विचार और प्रतिभा प्रस्तुत करेंगी। प्रतियोगिता में तनवी ने अपने भाषण के माध्यम से भारत के विकास की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत की। उसने शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी प्रगति, अर्थव्यवस्था, रोजगार, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों को अपने वक्तव्य में शामिल किया। तनवी ने ऐसे भारत की कल्पना रखी, जो शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत हो, विज्ञान और तकनीक में निरंतर आगे बढ़े, आत्मनिर्भर बने तथा स्वच्छ, समृद्ध और विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व में अपनी अलग पहचान कायम करे।

आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति ने दिखाई सफलता..

तनवी की सफलता में उसके आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुतीकरण और विषय पर पकड़ की अहम



भूमिका रही। स्पष्ट उच्चारण, प्रभावी भाषा-शैली और सहज ढंग से विचारों को सामने रखने की उसकी क्षमता ने भाषण को प्रभावशाली बनाया। महज कक्षा 9वीं की छात्रा होते हुए जिला स्तरीय मंच पर जिस आत्मविश्वास के साथ उसने अपने विचार रखे, वह उसकी प्रतिभा और तैयारी को दर्शाता है। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर तनवी ने यह साबित किया कि अवसर मिलने पर ग्रामीण अंचल के विद्यार्थी भी अपनी प्रतिभा के दम पर बड़े मंच पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

विकास खंड से जिले तक कायम रखा श्रेष्ठ प्रदर्शन..

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद तनवी को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होने का अवसर मिला था। यहां भी उसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी और जिले के प्रतिभागियों के बीच प्रथम स्थान हासिल किया। अब जिला स्तर पर चयनित छात्र प्रदेश स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। तनवी की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में भी उत्साह का माहौल है।

प्राचार्य ने दी बधाई, शिक्षकों ने बढ़ाया हैसला..

तनवी बोपचे की इस उपलब्धि पर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी के प्राचार्य डी. के. पुष्करे ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छात्रा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच और अवसर मिलने से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने के साथ-साथ भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए भी तैयार करते हैं। विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने भी तनवी की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उसे शुभकामनाएं दीं और प्रदेश स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन के लिए उसका हैसला बढ़ाया।

अब प्रदेश स्तरीय मंच पर तनवी की बारी..

जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद तनवी के सामने अब प्रदेश स्तरीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। जिला स्तर की सफलता ने उसके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी है। विद्यालय परिवार और उम्मीद है कि तनवी प्रदेश स्तर पर भी अपनी प्रभावी प्रस्तुति से लांजी और अपने विद्यालय का नाम रोशन करेंगी। उसकी इस उपलब्धि ने अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का संदेश दिया है कि लगन, तैयारी और आत्मविश्वास के साथ मंच पर रखे गए विचार सफलता की राह खोल सकते हैं।

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

10

शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

लालबर्वा, बैहर, परसवाड़ा

● कनकी ● खमरिया ● जाम ● कंजई ● उकवा ● मलाजखंड ● बिरसा ● लामटा ● चांगोदोला

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

सेवा संकल्प अभियान में जाम के मेधावियों का सम्मान, स्कूटी की चाबी और लैपटॉप पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे..

कक्षा 10वीं की प्राविण्य सूची में सातवां स्थान प्राप्त करने वाले विनायक ठाकरे का सम्मान, कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को मिली स्कूटी, 50 से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप

जगप्रेरणा लालबर्वा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के मेधावी एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने पर सम्मानित किया गया।

वर्ष 2026 की कक्षा 10वीं की प्रदेश स्तरीय प्राविण्य सूची में सातवां स्थान प्राप्त करने वाले छात्र विनायक ठाकरे एवं उनके पिता श्री शिव कुमार ठाकरे का विशेष सम्मान किया गया। वहीं कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एक छात्र एवं एक छात्रा को शासन की स्कूटी योजना के तहत स्कूटी की चाबी प्रदान की गई, जबकि लैपटॉप प्राप्त करने वाले 50 से अधिक विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें बधाई दी गई।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों से शासन की योजनाओं से मिले लाभ एवं उनके अनुभवों पर चर्चा की गई। उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा अधिक से अधिक शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया।

1 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम



का आयोजन संकुल प्राचार्य श्री एमंत ठाकरे के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त श्रीमती मौसम हरिनखेड़े मुख्य अतिथि रहीं, जबकि विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री वाय.आर. गजभिर् ने अध्यक्षता की। जनपद उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष श्री किशोर पालीवाल, मंडल अध्यक्ष श्री प्रसन्न अवधिया, मंडल उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री संजीव अवधिया सहित अन्य अतिथि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण कर की गई। इसके बाद मां सरस्वती का पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। विद्यालय के विद्यार्थियों ने पर्यावरण गीत एवं नाटिका प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक

सरोकारों का संदेश दिया।

चित्रकला प्रदर्शनी ने मोह मग्न

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई चित्रकला प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की कला, कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक प्रतिभा की झलक देखने को मिली। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

भाजपा नेत्री मौसम हरिनखेड़े ने शासकीय योजनाओं की दी विस्तृत जानकारी

मुख्य अतिथि श्रीमती मौसम हरिनखेड़े ने अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्य विद्यार्थी हितैषी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को योजनाओं का लाभ लेकर शिक्षा में आगे बढ़ने और

अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। अन्य अतिथियों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर श्री सत्येंद्र दमाहे, बीआरसी श्री राम तुरकर, श्री टोपराम बिसेन, श्री राधेश्याम बिसेन, एसएमसी अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री शिव कुमार ठाकरे एवं उपाध्यक्ष श्री रविंद्र मेश्राम सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपलब्धियों के सम्मान और शासन की योजनाओं से मिले प्रोत्साहन ने विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों में भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा जगाई।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के शिक्षक श्री आर.सी. बिसेन ने उपस्थित अतिथियों एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्रीमती पुष्पलता बघेले ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता में लालबर्वा की नट्या दांदरे करेंगी जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व

70वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-19 बालिका वर्ग में चयन, 3 से 7 अक्टूबर तक हरदा में होगा आयोजन..

जगप्रेरणा लालबर्वा।

70वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लालबर्वा की प्रतिभावान छात्रा नट्या दांदरे का अंडर-19 बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। नट्या दांदरे कक्षा 11वीं एग्रीकल्चर की छात्रा हैं और प्रतियोगिता में बालाघाट जिले से जबलपुर संभागीय दल का प्रतिनिधित्व करेंगी। राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 3 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक हरदा में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से चयनित खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। नट्या के चयन से विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। नट्या दांदरे ने यह उपलब्धि विद्यालय के प्राचार्य श्री सनत कुमार दुबे, पीटीआई श्री छतर सिंह ठाकरे, ब्लॉक समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग लालबर्वा श्री



लव पटेल तथा कोच राधिका नायक एवं विजेंद्र उइके के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण के माध्यम से हासिल की है। समस्त विद्यालय परिवार ने नट्या दांदरे को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

हायर सेकेंडरी स्कूल जाम में चार दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संपन्न..

आरबीएसके टीम ने 755 विद्यार्थियों का किया स्वास्थ्य एवं स्वतः परीक्षण, गंभीर एनीमिया वाले विद्यार्थियों को जिला अस्पताल किया रेफर..

जगप्रेरणा लालबर्वा।

भारत सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 25 सितंबर से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाम में चार दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान विद्यालय के 755 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्त परीक्षण किया गया। शिविर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्वा की आरबीएसके टीम के आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुकेश चौहान एवं डॉ. कामिनी टेम्परे, एएनएम श्रीमती प्रतिभा तेकाम एवं श्रीमती पारुल अडमे ने विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

शिविर के आयोजन में विद्यालय की रेडक्रॉस प्रभारी कु. हेमा भलावे तथा माध्यमिक शाला के प्रभारी शिक्षक श्री देवेंद्र चौरे का सहयोग रहा। यह शिविर विद्यालय के प्राचार्य श्री एमंत ठाकरे के निर्देशन में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान



चिकित्सकीय टीम द्वारा विद्यार्थियों में एनीमिया सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच की गई। संस्था के शिक्षक श्री लवकुश रंगारे एवं डॉ. मुकेश चौहान ने बताया कि परीक्षण के दौरान गंभीर एनीमिया एवं गंभीर बीमारी से पीड़ित पाए गए विद्यार्थियों को निश्चित कर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जबकि सामान्य बीमारी से पीड़ित विद्यार्थियों को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराकर उपचार किया गया। शिविर के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर आरबीएसके लालबर्वा की टीम के साथ विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

शिविर के सफल आयोजन पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एमंत ठाकरे ने आरबीएसके टीम एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण परिवेश से निकलकर दीपिका राहंगडाले बनीं सहायक प्राध्यापक..

जगप्रेरणा बिरसा।

जिले की बिरसा तहसील अंतर्गत ग्राम चीचगांव की कु. दीपिका राहंगडाले ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा 2024 में सफलता प्राप्त कर परिवार और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।



सामान्य किसान परिवार एवं ग्रामीण परिवेश से आने वाली दीपिका के पिता श्री थानसिंह हीरालाल राहंगडाले कृषक हैं तथा माता श्रीमती केसर राहंगडाले गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने शिक्षा को संदेव प्राथमिकता दी। परिवार में शिक्षा के प्रति इस सकारात्मक सोच और दूरदृष्टि की नींव घर के मुखिया श्री हीरालाल राहंगडाले ने रखी। उनका मानना है कि ग्रामीण परिवेश और सीमित साधन कभी भी शिक्षा एवं प्रगति की राह में बाधा नहीं बनने चाहिए। उनकी इसी दूरदर्शी सोच ने परिवार की नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

दीपिका का यह सफर निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प की मिसाल है। इससे पूर्व वे MPPSC 2024 की परीक्षा में साक्षात्कार चरण तक पहुंची थीं, परंतु अंतिम चयन नहीं हो सका था। असफलता से निराश हुए बिना उन्होंने अपने बड़े भाई डॉ. सोमनाथ राहंगडाले और मामाजी श्री ओमकार प्रसाद एवं अनिल चौधरी के मार्गदर्शन में तैयारी को नई दिशा दी।

उन्होंने MPSET परीक्षा-2024 प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की और इसके बाद MPPSC सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र) परीक्षा-2024 में भी प्रथम प्रयास में सफलता हासिल कर सहायक प्राध्यापक पद पर चयन प्राप्त किया।

किसान परिवार की नई पीढ़ी का विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान

इशिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में यह परिवार लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। दीपिका के बड़े भाई डॉ. सोमनाथ राहंगडाले ने दिसंबर 2025 तथा उनकी भाभी डॉ. रंजना ने अगस्त 2026 में छद्मकृष्ण राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (छद्मकृष्ण), लखनऊ (उ.प्र.) से मास्टर डिग्री बायोलॉजी एवं बायोटैक्नोलॉजी में पीएचडी पूरी की।

दोनों ने मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पी. के. सिंह के मार्गदर्शन में शोध कार्य किया। उनके शोध का महत्वपूर्ण हिस्सा ट्रांसजेनिक कपास तथा वर्तमान में भारत में कपास कि फसल को गंभीर नुकसान पहुंचाने वाली गुलाबी सुंडी (पिंक बॉलवर्म) की समस्या के लिए जैव-प्रौद्योगिकी आधारित समाधान विकसित करने से संबंधित रहा है। दोनों वर्तमान में वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत हैं।

एक सामान्य किसान परिवार से निकलकर परिवार की नई पीढ़ी का उच्च शिक्षा, अध्यापन और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ना ग्रामीण अंचल के युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

दीपिका की इस उपलब्धि पर परिवारजनों, रिश्तेदारों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं ग्रामवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सेवा संकल्प अभियान में मंच पर उतरीं ‘अनकही कहानियां’, 975 विद्यार्थियों ने देखा प्रेरक नाट्य मंचन



हर्ष पाण्डेय, जगप्रेरणा परसवाड़ा।

सेवा, समर्पण और सुशासन का संदेश देने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत बुधवार को सांदीपनि विद्यालय एवं शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय परसवाड़ा में ‘अनकही कहानियां’ नाट्य मंचन का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समाजसेवा, स्वच्छता, शिक्षा और जनकल्याण से जुड़े प्रसंगों को संवाद, अभिनय और संगीत के माध्यम से मंच पर जीवंत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई। नाट्य



प्रस्तुतियों में समाज के बीच रहकर सेवा करने वाले लोगों की ऐसी कहानियों को सामने रखा गया, जो सामान्य तौर पर चर्चा में नहीं आतीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने सराहा।

975 विद्यार्थी हुए शामिल

कार्यक्रम में सांदीपनि विद्यालय एवं महाविद्यालय परिवार सहित करीब 975 विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को समयबद्धता, समर्पण और सेवा भाव को जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सांदीपनि विद्यालय अध्यक्ष योगेश शरणगत, जनपद उपाध्यक्ष कांतिलाल राहंगडाले, जनपद पंचायत सीईओ धनाराम उइके, प्राचार्य सोनलराज वानखेड़े, जिला समन्वयक महेश पटले, जनभागीदारी अध्यक्ष इशाराम तिहारी, प्राचार्य डॉ. एलएल घोरमारे, डॉ. देवकृष्ण भलावी, सुनील साहू, टहेल सिंह पटले, सुषमा चौधरी, ध्रुवन्ति यादव, सोहन्द पंचतोलक, दिनेश वरकडे, इंदरलाल धुर्वे, योगेश्वरी राहंगडाले, तिमेश्वरी शरणगत सहित जनप्रतिनिधि एवं परामर्शदाता मौजूद रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना कांतिलाल राहंगडाले ने रखी और आभार सुनील साहू ने व्यक्त किया।

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के तहत सांदीपनी विद्यालय मलाजखंड में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के अवसर पर सांदीपनी विद्यालय मलाजखंड में वन विभाग के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए वन्यजीव संरक्षण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला एवं रचनात्मकता के माध्यम से वन्यजीवों और प्रकृति के संरक्षण का प्रभावी संदेश दिया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने चित्रों में बाघ सहित विभिन्न वन्यजीवों, वन क्षेत्रों, जैव विविधता तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को आकर्षक रूप से प्रस्तुत किया।

चित्रों के माध्यम से विद्यार्थियों ने वन संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व

को रेखांकित किया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन के महत्व की जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य श्री गंगा प्रसाद करते ने कहा कि विद्यार्थियों में प्रकृति एवं वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के उत्साह एवं रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की गई। अंत में प्रतिभागी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करते हुए वन बचाएं वन्यजीव बचाएं, पर्यावरण बचाएं का संदेश दिया गया।



विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

ग्रामीण

गोंदिया भंडारा

11 शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026

तिरोड़ा • गोरेगांव • आमगांव • सालेकसा • देवरी • मोरगांव अर्जुनी • तुमसर • साकोली • लाखादूर

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

नुकसान ग्रस्त धान की फसल के मुआवजे के लिए विधायक संजय पुराम ने मुख्यमंत्री को सौंपा निवेदन..

तत्काल पंचनामा कार्यवाही कर किसानों को राहत प्रदान करने की कि मांग..

सुरेश गवते/ गणेश भदाड़े जगप्रेरणा देवरी/आमगांव।

गोंदिया जिले में सितंबर माह के दौरान लगातार हुई बारिश और खराब मौसम के कारण गोंदिया जिले के आमगांव देवरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमगांव,

देवरी और सालेकसा-इन तीनों तहसीलों में धान की फसल पर माहू, तुडतुडा (भुरा फुदका), करपा (ब्लाइट) और तना छेदक जैसे विभिन्न घातक रोगों का प्रकोप हुआ है। इसके चलते धान की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है और किसान गंभीर आर्थिक संकट में घिर गए हैं। इस स्थिति में विधायक संजय पुराम ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से प्रत्यक्ष मुलाकात कर एक निवेदन सौंपा और नुकसान ग्रस्त धान फसलों का तत्काल



आमगांव, सालेकसा और देवरी तहसीलों में धान की फसलों पर हुए रोगों के आक्रमण के कारण फसलों को भारी क्षति पहुंची है। कटाई के मुहाने पर खड़े धान और अन्य फसलें रोगों के कारण पूरी तरह बर्बाद होने की कगार पर हैं, जिससे किसानों में तीव्र असंतोष और चिंता का माहौल व्याप्त है।

तत्काल पंचनामा कर मुआवजा देने की मांग..

पंचनामा कर किसानों को खुले हाथों (उदारता) से मुआवजा देने की पुरजोर मांग की है। बारिश की विकट स्थिति और रोगों का प्रकोप:

पत्र में उल्लेखित जानकारी के अनुसार, चाचू सीजन के दौरान जुलाई से सितंबर के बीच सालेकसा तहसील में 1158.0 मिमी (106.6 प्रतिशत), देवरी तहसील में 1291.9 मिमी (94.3 प्रतिशत) और आमगांव तहसील में 1425.9 मिमी (80 प्रतिशत) वर्षा दर्ज की गई है। यह बारिश भले ही संतोषजनक रही हो, लेकिन

विधायक संजय पुराम ने पत्र के माध्यम से शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि किसानों को इस संकट से बाहर निकालने के लिए कृषि और राजस्व विभाग को संयुक्त रूप से प्रभावित क्षेत्रों के खेतों का तत्काल पंचनामा (पंचनामा के आदेशों) कराना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि नुकसान से प्रभावित सभी किसानों को तुरंत उचित आर्थिक सहायता एवं मुआवजा प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने विधायक संजय पुराम को तुरंत कार्यवाही कर राहत देने का आश्वासन दिया है।

उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह में प्राचार्य नूतन दमाहे सम्मानित



जगप्रेरणा सालेकसा। विदर्भ माध्यमिक शिक्षक संघ, गोविंद मैना फाउंडेशन एवं गोविंदराव बजारी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में दिवंगत पूर्व विधायक स्व. ना. वा. सपाटे एवं स्व. दत्तात्रय मिश्री की स्मृति में ‘उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह-2026’ का आयोजन भंडारा में किया गया।

यह सम्मान समारोह 12 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे पूजा बैक्रेट हॉल, गेट नंबर 3, नागपुर नाका, भंडारा में आयोजित हुआ। समारोह में नागपुर, भंडारा एवं गोंदिया जिले के शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षक एवं प्राध्यापकों का सम्मान किया गया।

इसी अवसर पर गवराबाई हाईस्कूल एवं कनिष्ठ महाविद्यालय की प्राचार्य नूतन दमाहे को उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक योगदान तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण

विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों की दखल लेते हुए ‘उत्कृष्ट मुख्याध्यापक’ सम्मान से गौरवान्वित किया गया। विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों की गुणवत्ता वृद्धि तथा संस्था के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह में विधान परिषद सदस्य एवं नागपुर विभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधायक सुधाकर अडबाले, नागपुर विभाग के पदवीधर विधायक अभिजीत दादा वंजारी सहित विदर्भ माध्यमिक शिक्षक संघ के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस सम्मान समारोह के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों एवं प्राचार्यों के योगदान को सम्मानित किया गया। साथ ही, विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने तथा समाज के शैक्षणिक विकास के लिए निरंतर कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहन देने की दिशा में यह समारोह महत्वपूर्ण साबित हुआ।

गांधी जयंती पर आमगांव में स्वास्थ्य पर्व, निःशुल्क महाआरोग्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन..

एक ही छत के नीचे विभिन्न रोगों की जांच और उपचार..

जगप्रेरणा आमगांव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आमगांव में भव्य ‘महाआरोग्य रोग निदान एवं नेत्र जांच शिविर’ का आयोजन किया गया है।

यह शिविर शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बुनियादी प्राथमिक शाला, रेलवे स्टेशन रोड, रिसामा (आमगांव) में आयोजित होगा।

इस सामाजिक उपक्रम का आयोजन ज्येष्ठ नागरिक सेवा संघ (आमगांव), विश्व कल्याण राज्योग सेवा संघ (आमगांव) तथा शालिनीताई मेधे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से निःशुल्क चिकित्सकीय सलाह, जांच एवं उपचार उपलब्ध कराना इस शिविर का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में नागपुर स्थित शालिनीताई मेधे हॉस्पिटल के

अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर आवश्यक मार्गदर्शन करेंगे। इनमें हृदय एवं मस्तिष्क रोग, किडनी रोग व मेडिसिन, नेत्र एवं स्त्रीरोग, बालरोग एवं अस्थिरोग, सर्जरी एवं त्वचारोग तथा कान-नाक-गला (ईएनटी) एवं मुखरोग विशेषज्ञ शामिल रहेंगे।

ग्रामीण क्षेत्र के आम नागरिकों तथा वरिष्ठ नागरिकों से इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाकर अपनी स्वास्थ्य जांच कराने का आग्रह कार्यक्रम की आयोजक एवं गोंदिया जिला परिषद सदस्य सौ. सविता संजय पुराम ने किया है।

पूर्व पंजीयन के लिए संपर्क..

शिविर में भीड़ और लंबी कतार से बचने के लिए नागरिकों से पूर्व पंजीयन कराने के लिए जो भी नागरिक ईच्छुक हो वो लोग इन लोगों से इन नंबरों पर संपर्क करें। लक्ष्मण खंडईतः 9421712398, मोहन नेवारेः 8411029345, वीरेंद्र तिरालेः 9307363145, देवानंद मेथ्रामः 9890161519, हेमंत पटलेः 9272116501, राजेश बावनेः 9371133536, धीरेशभाई पटलेः 7972437847

समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें संजीव बापट गोंदिया मो. 9922607145

उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों का जिला व तहसीलस्तरीय परिणाम घोषित..

आमगांव का अष्टविनायक गणेश उत्सव मंडल आमगांव तहसील प्रथम.. राधा कृष्ण गणेश उत्सव मंडल, मुंडीपार ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया..



जगप्रेरणा आमगांव। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार जिला प्रशासन की ओर से आयोजित ‘उत्कृष्ट सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल स्पर्धा 2026’ का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक दायित्व, सुरक्षा व्यवस्था तथा सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के आधार पर मंडलों का मूल्यांकन कर जिला एवं तहसील स्तर के विजेताओं का चयन किया गया।

इस स्पर्धा में गोरेगांव तहसील के राधा कृष्ण गणेश उत्सव मंडल, मुंडीपार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विजेता मंडलों की सूची..

1. राधा कृष्ण गणेश उत्सव मंडल, मुंडीपार, तहसील गोरेगांव- जिला स्तर प्रथम। 2. थार गणेश उत्सव मंडल, पाटेकुरी, तहसील सड़क अर्जुनी- जिला स्तर द्वितीय। 3. नवज्योत गणेश उत्सव मंडल, गोंदिया, तहसील गोंदिया - जिला स्तर तृतीय। 4. अष्टविनायक गणेश उत्सव मंडल, आमगांव, तहसील आमगांव-तहसील स्तर प्रथम। 5. नवयुवक किसान गणेश मंडल, देवरी, तहसील देवरी-तहसील स्तर प्रथम। 6. सार्वजनिक गणेश उत्सव मंडल, दुर्गा चौक, अर्जुनी मोरगांव-तहसील स्तर प्रथम।

पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक कार्यों को मिले विशेष अंक..

स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य गणेशोत्सव को अधिक पर्यावरणपूरक एवं सामाजिक रूप से प्रगतिशील बनाना था। जिला गणेशोत्सव समिति के अध्यक्ष तथा निवासी उपजिलाधिकारी

जिला प्रशासन की ओर से सभी विजेता एवं सहभागी गणेशोत्सव मंडलों का अभिनंदन किया गया है। प्रशासन के अनुसार, इस स्पर्धा से जिले में पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। आगामी वर्षों में अन्य गणेशोत्सव मंडल भी इन आदर्श उपक्रमों को अपनाएं, ऐसा आवाहन किया गया है। विजेता मंडलों को घोषित पुरस्कार एवं सम्मानचिह्न शीघ्र ही आयोजित विशेष समारोह में प्रदान किए जाएंगे।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

दो मोटरसायकल की भिड़ंत 1 जखमी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत वाहन अपघात का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29/ 9/ 2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान दांडेगाव मे आरोपी डिलक्स के चालक ने अपना वाहन लापरवाही से चलाकर दांडेगाव चौक मे लकी मिश्रा की होंडा शाईन को टक्कर मारकर जखमी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 480/2026 धारा 281,125, अ, भान्यास 2023 सहकलम 184 मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा श्यामकुमार देशपांडे 743 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

उधारी पैसे मांगने की बात पर ईंट से मारकर किया जखमी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 30/9/2026 के 8 बजे के दरम्यान सहसपुर मे फर्यादी मिताराम बावणकर उम्र 35 वर्ष निवासी सहसपुर ने उधारी दिये पैसे मांगने पर आरोपी ने गालीगलौच कर इटे से मारकर जखमी करने से दिये शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 481/2026 धारा 118,2,352,351,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफ़ी राजेश जाँजाळ 935 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

ससुराल गये दामाद के मकान मे हुई चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के दवनीवाडा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 30/9/2026 के रात धापेवाडा मे फर्यादी कृष्णकुमार बघेले उम्र 55 वर्ष निवासी धापेवाडा अपने मकान को ताला लगाकर ससुराल गये थे। उसी रात अज्ञात चोर ने मकान का ताला तोड़कर मकान मे प्रवेश कर अलमारी से एक नेकेलसे 5 ग्राम किमत 10 हजार रुपये, एक जोड़ी सोने के झुमके किमत 10 हजार रुपये, एक सोने की अंगुठी किमत 6 हजार , चांदी की कर्दन किमत 2500 रुपये, एक जोड़ी पायल किमत 2500 रुपये, चांदी की पायल किमत 1 हजार रुपये, एक चांदीका खोजना 3 तोला किमत 15 हजार रुपये, एक सोने का मंगलसुत्र जिसमे 24 गहमुणी किमत 8 हजार रुपये, कान की बिरी किमत 4 हजार रूपये, पर्स मे रखे नगदी 15 हजार रुपये कुल 66 हजार 500 रुपये का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे दवनीवाडा मे अपराध क्रमांक 499/2026 धारा 305, अ,331,3, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोऊपनी निलकमल लिल्वारे पोस्टे दवनीवाडा कर रहे है।

झेरॉक्स करने गई महिला के घर चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 29/9/2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान आमगाव खुर्द मे महीला फर्यादी उम्र 46 वर्ष निवासी आमगाव खुर्द मे अपने मकान की कुंडी लगाकर झेरॉक्स करने गई थी। थोड़ी देर बाद घर वापस आयी तो देखा की सामने कुंडी खुली हुई थी अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पडा था अलमारी खुली थी अज्ञात चोर ने एक तोले का मंगलसुत्र किमत 50 हजार रुपये, सोने के कान के झुमके 5 ग्राम किमत 25 हजार रुपये, चांदी के पायजन किमत 8 हजार रुपये, चांदी के सिक्रे किमत 7 हजार रुपये, तिन ग्राम सोने की अंगुठी किमत 30 हजार रुपये कुल 1 लाख 20 हजार का माल चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे सालेकसा मे अपराध क्रमांक 499/2026 धारा 305, ए,331,3, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा सौंजाल पोस्टे सालेकसा कर रहे है।

ग्रामसभाओं के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी, सशक्त ग्राम पंचायतों और ग्रामीण विकास पर रहेगा विशेष जोर..

जगप्रेरणा गोंदिया। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से गोंदिया जिले में ‘सबकी योजना, सबका विकास’ अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से शासन के विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे सुधारों,

नागरिक केंद्रित उपक्रमों तथा सार्वजनिक सेवाओं की जानकारी ग्रामसभाओं के जरिए आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। गांधी जयंती के अवसर पर जिले की ग्राम पंचायतों में आयोजित ग्रामसभाओं में इस अभियान की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस अभियान में पंचायती राज, ग्रामीण विकास, पेयजल एवं स्वच्छता, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण तथा भूमि संसाधन विभागों की भागीदारी रहेगी। इस

विशेष पहल को ‘रिफॉर्म उत्सव’ की संकल्पना के तहत संचालित किया जाएगा।

सशक्त ग्राम पंचायतों के विकास पर जोर..

पंचायती राज मंत्रालय के माध्यम से वित्त आयोग से प्राप्त निधि का प्रभावी उपयोग करने, ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत ग्रामसभा की प्राथमिकताओं के अनुसार विकास कार्यों की योजना तैयार करने तथा ‘स्वामित्व’ योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासीय संपत्तिधारकों को मालिकाना हक के दस्तावेज उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

ग्रामीण रोजगार और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा..

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा विकसित भारत 2047 की संकल्पना के अनुरूप विभिन्न उपक्रम चलाए जाएंगे। इसके अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, आजीविका के साधन विकसित करने, उत्पादक संघों का निर्माण करने तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने पर ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही ‘लखपति दीदी’ योजना के माध्यम से

पेयजल और स्वच्छता के प्रति जागरूकता..

जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों को नल द्वारा पेयजल उपलब्ध कराने तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाए रखने और उन्हें आदर्श गांवों के रूप में विकसित करने के लिए जनजागरण किया जाएगा।

उपभोक्ता अधिकार और खाद्य सुरक्षा योजनाओं की मिलेगी जानकारी..

उपभोक्ता मामले विभाग की ओर से राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन तथा तकनीक आधारित शिकायत निवारण प्रणाली की जानकारी नागरिकों को दी जाएगी। वहीं, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और ‘वन नेशन, वन राशन कार्ड’ योजना के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जाएगी। इस योजना के तहत पात्र लाभार्थी देश के किसी भी उचित मूल्य की राशन दुकान से अपने अधिकार का खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं।

जल संरक्षण और डिजिटल भूमि अभिलेखों पर विशेष ध्यान..

जल संसाधन विभाग द्वारा ‘कैच द रेन’ जैसे अभियानों के माध्यम से जल संरक्षण तथा पानी के उचित और सीमित उपयोग को लेकर नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। वहीं, भूमि संसाधन विभाग के माध्यम से डिजिटल भूमि अभिलेख, भूमि रिकॉर्ड के आधुनिकीकरण तथा जलग्रहण क्षेत्र विकास परियोजनाओं के जरिए किसानों को सरकारी सुविधाओं का लाभ अधिक आसानी से उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा।

ग्रामसभाओं में युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी..

युवा एवं खेल विभाग के अंतर्गत ‘माय भारत’ के स्वयंसेवक ग्रामसभाओं में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं और सुधारों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने में सहयोग करेंगे। इसके साथ ही जिले में ‘मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान’ को भी प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस प्रकार ‘सबकी योजना, सबका विकास’ अभियान के माध्यम से ग्रामीण नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, सुविधाओं और विकास कार्यों की जानकारी देकर ग्रामसभाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

TYRE WORLD

(अपनी टायरों के अधिकृत विक्रेता)

★ टायर ★ अलाईनमेन्ट

★ बैलेंसिंग ★ नाइट्रोजन

हिंदुस्थान ऑटोमोबाईल के पास, रामनगर, गोंदिया

79991 54494, 98233 95921

अंकुर टेस्ट ट्यूब बेबी एंड रिसर्व सेंटर

बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ

- टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF ET)
- इक्वी टेस्ट ट्यूब बेबी (ICSI)
- (IUI) आर.यू.आर.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवरन डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन ट्यूब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनोग्राफी
- हार्मोन्स की जांच
- हार्मोन्स की गड़बड़ी की ईलाज
- दूरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. सो.प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक

गांधी नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

जग प्रेरणा

live गोंदिया भंडारा

आमगांव • गोरेगांव • सड़क अर्जुनी • देवरी • सालेकसा • अर्जुनी मोरगांव • तिरोड़ा • लाखादुर • साकोली

स्व. बजरंगलाल जी टेकड़ीवाल की पुण्य स्मृति मे आयोजित भव्य निःशुल्क नेत्र जाला निवारण शिविर मे 391 लोगों को मिला नेत्र रोग में लाभ..

श्री मारवाड़ी युवक मंडल एवं गिरिराज गौसेवा मित्र मंडल के संयुक्त तत्वाधान में फिर एक बार किया गया जनसेवा का भव्य आयोजन..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया शहर के श्री राजस्थानी झिरिया मंदिर परिसर में श्री मारवाड़ी युवक मंडल, गोंदिया एवं श्री गिरिराज गौसेवा मित्र मंडल, गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में आज 01 अक्टूबर 2026 को नगर के वरिष्ठ समाजसेवी स्व. बजरंगलाल जी टेकड़ीवाल की पुण्य स्मृति में एक दिवसीय भव्य निःशुल्क नेत्र जाला शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित इस नेत्र जाला शिविर में लगभग 391 लोगों ने आंखों में ड्राप ड्रलवाकर अपने नेत्र से बड़ी ही आसान पद्धति से प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से जाला निकलवाया, जिससे कि लोगों की आंखों से और अधिक साफ दिखाई देने लगा, तथा उनका विजन क्लियर हुआ।

गौरतलब है कि श्री मारवाड़ी युवक मंडल एवं श्री गिरिराज गौ सेवा मित्र मंडल के संयुक्त तत्वाधान में अनेक सेवाभावी कार्यक्रमों के आयोजन किये जाते रहे हैं, तथा इसी क्रम में एक बार फिर दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्वाधान में नेत्र जाला शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बैतुल के प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र के डॉ. अनिल मालवीय एवं उनकी चिकित्सकों की टीम द्वारा सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक निरंतर क्रमबद्ध तरीके से युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक के नेत्र का दवाईयों के माध्यम से जाला निकाला गया, जिससे कि सभी लोगों



ने नेत्र विकार से राहत पाई और उनकी दृष्टि स्पष्टता में सुधार उन्होंने महसूस किया।

इनका रहा सराहनीय योगदान..

गौरतलब है कि इस नेत्र जाला शिविर के आयोजन में नगर व जिले के तथा सर्व समाज के लोगों को श्री मारवाड़ी युवक मंडल एवं गिरिराज गौसेवा मित्र मंडल के संयुक्त तत्वाधान में स्व. बजरंगलाल जी टेकड़ीवाल की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र शैलेष टेकड़ीवाल एवं मनीष टेकड़ीवाल के सौजन्य से निःशुल्क सेवाएं दी गईं।

नेत्र जाला शिविर को सफल बनाने के लिये समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दोनों ही संस्थाओं की ओर से श्री महेश गोयल अध्यक्ष श्री

मारवाड़ी युवक मंडल एवं श्री सीताराम जी अग्रवाल अध्यक्ष श्री गिरिराज गौ सेवा मित्र मंडल के नेतृत्व में तथा टेकड़ीवाल परिवार की ओर से शैलेन्द्र टेकड़ीवाल एवं मनीष टेकड़ीवाल के साथ ही प्रमुख रूप से सी.ए. राजेश व्यास, रमाकांत अग्रवाल, महेश मेठी, रितेश अग्रवाल, हर्षल पवार, अमित लेकरिया, आलोक खंडेलवाल, पदम अग्रवाल, बालमुकुंद माहेश्वरी, लालू शर्मा, राहुल सिंघानिया, श्रीराम लेकरिया, अजय खंडेलवाल, ललित दादरीवाल, अशोक लेकरिया, राम अग्रवाल, रवि मुंदड़ा, पारस पुरोहित, राहुल तिवारी, अभिजीत सोनी, दिनेश कोठारी, प्रतिक चोपड़ा, शिव अग्रवाल, ऋतिक अग्रवाल एवं राजा ओझा सहित अनेक सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

दुर्लभ ‘ए-नेगेटिव’ रक्त देकर मरीज को दिया जीवनदान..

जगप्रेरणा गोंदिया। स्थानीय लाइफ लाइन अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती मरीज के लिए देवदूत बनकर सामने आए मुकेश अग्रवाल ने अत्यंत दुर्लभ माना जाने वाला ‘ए-नेगेटिव’ रक्त दान कर एक अमूल्य जीवन की रक्षा

की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुड़वा निवासी बोधसिंह पारासर की शुगर का स्तर अचानक अत्यधिक बढ़ने से तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके चलते उन्हें तत्काल लाइफ लाइन अस्पताल में डॉ. सनम देशभ्रतार के मार्गदर्शन में



भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान चिकित्सकों ने मरीज की नाजुक स्थिति को देखते हुए तत्काल ‘ए-नेगेटिव’ रक्त उपलब्ध कराने की सलाह दी। हजारां में किसी एक व्यक्ति में मिलने वाला यह दुर्लभ रक्त समूह आसानी से उपलब्ध न होने के कारण पीड़ित परिवार संकट में आ गया। इसके बाद परिजनों ने ‘रक्तमित्र’ विनोद (गुड्डू)

रक्तदाता मुकेश अग्रवाल का रक्त मित्र एवं पाराशर परिवार ने किया सम्मान..

चांदवानी से संपर्क साधकर रक्त की व्यवस्था कराने का आग्रह किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए गुड्डू चांदवानी ने अपनी नियमित निगेटिव रक्तदाता सूची के माध्यम से तत्काल मुकेश अग्रवाल से संपर्क साधा। सूचना मिलते ही मुकेश अग्रवाल ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए बिना कोई समय गंवाए सीधे लोकमान्य ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया, जिससे मरीज को सही समय पर रक्त चढ़ाया जा सका। इस पुनीत एवं मानवीय कार्य के लिए रक्तदाता मुकेश अग्रवाल को रक्तमित्र विनोद चांदवानी, नितिन रैक्वार तथा रूपेश पेंदाम के हाथों प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समय पर मिली इस जीवनरक्षक सहायता के लिए पारासर परिवार ने रक्तदाता मुकेश अग्रवाल एवं रक्तमित्र गुड्डू चांदवानी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया।

बालाघाट दौरे के अवसर पर गोंदिया के बिरसी एयरपोर्ट पधारे

राहुल गांधी का पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत..

जगप्रेरणा गोंदिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बालाघाट दौरे के अवसर पर पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल पुर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नानाभाऊ पटोले, सांसद डॉ. प्रशांत पडोले, म.प्र. के विधायक मधु भगत, विधायक



अनुभा मुंजारे, विधायक विक्की पटेल, विधायक संजय उईके, पुर्व सांसद विश्वेश्वर भगत, बालाघाट जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरसवार, गोंदिया नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे, पुर्व विधायक दिलीपभाऊ बन्सोड, सांसद किरसान के सुपुत्र दुष्यंत नामदेव किरसान सहित समस्त कांग्रेस जनों ने राहुल गांधी का हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत किया और देश के आर्थिक, सामाजिक, औद्योगिक व्यापारीक विकास को एक बार पुनः पटरी पर लाने के लिए कांग्रेस सरकार बनाने के प्रयत्नों के लिए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने ने उन्हें जिले में चल रही मतदाता सूची जांच मुहिम एसआईआर एवं वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों से अवगत कराया तथा उन्हें गोंदिया जिले में एक दिवसीय दौरे के लिए निमंत्रित किया। इस अवसर पर प्रमुखता से जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अमर वराडे, सालेकसा नगर पंचायत अध्यक्ष विजय फुंडे, गोरेगांव नगर पंचायत अध्यक्ष तेजराम बिसेन, ब्यालाल गोपालदास अग्रवाल, शिवसेना

उबावा जिला प्रमुख पंकज यादव, जिला कांग्रेस कमिटी उपाध्यक्ष अशोक (राणू) गुप्ता, सचिव महा. प्रदेश कांग्रेस पी.जी.कटरे, गोंदिया तालुका कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष रमेश अंबुले, किसान सेल अध्यक्ष जितेश राणे, पुर्व सचिव विनोदजी जैन, पुर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष योगेश बापू अग्रवाल, ज्ञानसिंघभाऊ बघेले, पुर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमिटी पुरुषोत्तम बाबा कटरे, पुर्व जि.प. अध्यक्ष उषाताई मेंडे, राजकुमार पणु पटले, विजय बहेकार, राधेलाल पटले, जहिराभाई अहमद, जमीलभाई खान, गंगाधर परशुरामकर, अमन राघोटिया, अजय अग्रवाल, प्रकाश रहमतकर, गेंदलाल शरणगत, भास्करभाऊ राहंगडाले, जगदीश थरोला, धनश्याम शामट, रमेश ठेंभरे, मधुसुदन दोनोडे, राजु दोनोडे, पवन मोरे, डेमेन्द्र राहंगडाले, जितेन्द्र कटरे, उषाताई शहारे, छबुताई उके, सर्वश्री जि.प.सदस्य छायाताई नागपुरे, विमलताई कटरे, कविताताई कापगते, गिताताई लिलहारे, राधिकाताई धरमगुडे, वंदनाताई काळे, योगेन्द्र भगत, श्रीकांत घाटबांधे, पार्षद राकेश ठाकुर, शकील मन्सुरी, सुनिल तिवारी, देवा

रुसे, अजय गौर, पार्षद सुनिल भालेराव, पार्षद अमर रंगारी, पार्षद चंद्रकुमार चुटे, पार्षद क्रांतीकुमार जायसवाल, पार्षद रुपेश नशीने, पार्षद चंद्रकुमार चुटे, पार्षद शीलुताई राकेश ठाकुर, पार्षद ज्योतीताई फुंडे, पार्षद संध्या उत्तम यादव, पार्षद संगीता अशोक गुप्ता, पार्षद बेबीनंदा बन्सोड, पार्षद दिपिका देवा रुसे, पार्षद दुर्गा सुनिल तिवारी, पार्षद विजय राडे, पार्षद दीपा सुनिल सहारे, मनोज पटनायक, अर्जुन नागपुरे, अरुण माहेश्वरी, अरमान जायसवाल, संदीप राहंगडाले, अपूर्व अग्रवाल, पुर्व विधायक, स्वीस सहायक यशपाल डोंगरे, श्रीकांत चांदुरकर, राजकुमार बाबा बागडे, संजु माने, अमर मिश्रा, रणजीत गणवीर, जीवनलाल शरणगत, विलास राऊत, मनिस मेश्राम, अमन तिगाला, मितेश अग्रवाल, मिथुन पटेल, आशुतोष असाटी, देवचंद चौधरी, नवीन बुरान मयंक कुमार जैन, सावलराम महारावाडे, संजयकुमार अग्रवाल, टेकेश्वर खरकाटे, मुन्ना अवस्थी, रितेश बारापात्रे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंदिरा गांधी स्टेडियम की जल्द व्यवस्थाएं सुचारु नही हुई तो होगा तीव्र आंदोलन’ - लोकेश यादव

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया शहर के प्राचीन इंदिरा गांधी स्टेडियम में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर क्रीड़ा शिक्षकों और खिलाड़ियों का गुस्सा फूट पड़, वहीं इस स्थिति को देखते हुए स्टेडियम की बदहाली पर राकांपा पार्षद लोकेश यादव ने कड़ा रोष प्रकट कर प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी



बोले पार्षद लोकेश यादव..

पार्षद लोकेश यादव ने जगप्रेरणा को बताया कि स्टेडियम में न तो चेंजिंग रूम, शौचालय (वांशरूम) की उचित व्यवस्था है और न ही खिलाड़ियों के लिए साफ-सफाई का कोई ध्यान रखा जा रहा है। स्टेडियम परिसर में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती न होने से विशेषकर महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। बैठने की जगह पूरी तरह बदहाल है और जगह-जगह गड्ढे बन चुके हैं। परिसर में बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं, जिससे खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बना रहता है। प्रदर्शन के दौरान क्रीड़ा शिक्षकों ने कहा कि सांसद के निर्देशों की अवहेलना यह दर्शाती है कि प्रशासन खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर कितना बेपरवाह है। पार्षद लोकेश यादव ने क्रीड़ा शिक्षकों व खिलाड़ियों की मांगों का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा, सांसद जी के निर्देश के बाद भी अधिकारियों के कान पर जूत नहीं रेंगना बेहद शर्मनाक है। इंदिरा गांधी स्टेडियम शहर की खेल प्रतिभाओं की रीढ़ है। यदि प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लेकर सफाई, मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त नहीं की, तो हम सड़कों पर उतरकर तीव्र आंदोलन करेंगे। इस अवसर पर सभी क्रीड़ा शिक्षक व खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महावीर मारवाड़ी इंग्लिश स्कूल के पूर्वांश राउत बने ताइकांडो जिला चैंपियन

जगप्रेरणा गोंदिया। श्री महावीर मारवाड़ी इंग्लिश स्कूल, गोंदिया की खेल उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। विद्यालय के कक्षा 7 वीं के छात्र मास्टर पूर्वांश राउत ने देवरी में आयोजित ताइकांडो जिला चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। दृढ़ संकल्प और अद्भुत खेल भावना के साथ पूर्वांश ने जिला चैंपियन का खिताब अपने नाम किया और अब उनका चयन जोनल स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिला स्तर पर लगातार दूसरे वर्ष स्वर्ण पदक जीतना उनकी इस उपलब्धि को और भी विशेष बनाता है। उनकी निरंतर उत्कृष्टता ने विद्यालय, शिक्षकों और परिवार को गौरवान्वित किया है तथा उन्हें जिले के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में एक विशेष स्थान दिलाया है। संस्था के अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, सचिव श्री प्रकाशचंद कोठरी, प्राचार्य श्री अजय शामका, श्री अभिषेक अग्रवाल, सुश्री भारती राहंगडाले एवं श्रीमती अर्चना अग्रवाल ने पूर्वांश को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी तथा आगामी जोनल स्तर की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

